घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 50- शनिवार 20- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं 13/Surguja DN/ 2023-2025

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

स्पीकर के चेंबर में पीएम मोदी-प्रियंका की चाय पर चर्चा की...

नई दिल्ली,19 दिसम्बर 2025। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। इसी के साथ शीतकालीन सत्र का समापन हो गया। इस दौरान राज्यसभा और लोकसभा की उत्पादकता क्रमशः 121 और 111 प्रतिशत रही। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि इस सत्र में महत्वपूर्ण विधायी कामकाज हुआ। उच्च सदन के सभापति के तौर पर यह सत्र राधाकृष्णन का पहला सत्र था और सदन की कार्यवाही के संचालन में सहयोग के लिए उन्होंने उपसभापति हरिवंश, सदन के सदस्यों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस सत्र में सदन की कार्य उत्पादकता लगभग 121 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा कि 269 वां सत्र कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए विशिष्ट रहा। इस सत्र में शून्यकाल सूचनाओं की संख्या अभूतपूर्व रही, जिसमें प्रतिदिन औसतन 84 से अधिक सूचनाएं प्राप्त हुई, जो पिछले दो सत्रों की तुलना में लगभग 31 प्रतिशत अधिक है। इसके अतिरिक्त, शून्यकाल में वास्तव में उठाए गए विषयों की संख्या भी पिछले मानकों से कहीं अधिक रही, जिसमें प्रतिदिन औसतन 15 से अधिक विषय उठाए गए, जो पिछले दो सत्रों की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। राधाकृष्णन ने कहा कि सदन ने हमारे राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक विशेष स्मरणीय चर्चा की। यह चर्चा दो दिनों तक चली, जिसमें 82 सदस्यों ने भाग लिया। सदन ने निर्वाचन सुधारों पर भी चर्चा की, जिसमें तीन दिनों की अवधि में 57 सदस्यों ने हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि सदन ने 8 विधेयकों को पारित/वापस किया तथा जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) संशोधन अधिनियम, 2024 के संबंध में एक सांविधिक संकल्प को अंगीकृत किया, कुल 212 सदस्यों ने भाग लिया।

प्रियंका ने पीएम के साथ चाय पर चर्चा की...

शुक्रवार को संसद सत्र स्थगन के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों को चाय के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान प्रियंका गांधी, गृह मंत्री राजनाथ सिंह, चिराग पासवान, कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल भी मौजूद थे।

वंदे मातरम् के साथ संसद के सत्र का समापन

वंदे मातरम् गीत के साथ शुक्रवार को अनिश्चितकाल काल के लिए संसद की कार्यवाही स्थगित हो गई। इस दौरान विपक्ष संसद में महात्मा गांधी की जय के नारे लगाता रहा। ओम बिरला ने कहा- हमने इस सत्र में 15 बैठकें की।

राहुल गांधी बोले...मोदी सरकार ने एक दिन में 20 साल खत्म किए

राहुल गांधी ने कहा...मोदी सरकार ने एक दिन में MGNREGA के 20 साल खत्म कर दिए। बिल बिना ठीक से जांच-पड़ताल के संसद में पास कर दिया गया। मोदी के लक्ष्य साफ है। ग्रामीण भारत, खासकर पिछड़े वर्गों की ताकत को कमजोर करना, सत्ता को केंद्रीकृत करना और फिर सुधार के नाम पर नारे बेचना।

संसद के शीतकालीन सत्र में 8 बिल पास

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू हुआ 19 दिसंबर तक चला। केंद्र सरकार ने 14 बिल लाने की बात कही थी। विपक्ष का आरोप है कि 12 बिल ही पेश किए गए। दोनों सदनों से 8 बिल पास किए गए। 2 बिल कमेटी को भेजे गए। सरकार ने कुछ बिल पेश ही नहीं किए। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया- सत्र की शुरुआत रवींद्रनाथ टैगोर के अपमान से हुई और अंत महात्मा गांधी के अपमान के साथ हुआ।

शेख हसीना विरोधी नेता की मौत के बाद हिंसा...2 न्यूज चैनल्स फूंके

बांग्लादेश में हिंदू युवक की पीटकर हत्या,पेड़ पर टांगकर जलाया

ढाका,19 दिसम्बर 2025। बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी की मौत के बाद हिंसा भड़क गई है। इस दौरान ढाका के नजदीक भालुका में धर्म का अपमान करने के आरोप में एक हिंदू युवक को पीट-पीटकर मार डाला। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक, युवक के शव को नग्न करके एक पेड़ से लटका कर आग लगा दी। मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना भालुका में हुई। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें लोग 'अल्लाह-हू-अकबर' के नारे लगाते दिख रहे हैं। इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार देर रात देश के सबसे बड़े अखबार डेली स्टार और प्रोथोम आलो के ऑफिस में जबरन घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी की। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के आवास में भी तोड़फोड़ की गई है और शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के ऑफिस को भी जला दिया गया है। उस्मान हादी शेख हसीना के खिलाफ जुलाई 2024 में हुए छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उन्हें 12 दिसंबर को चुनाव प्रचार के दौरान सिर में गोली मारी गई थी। इसके बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए सिंगापुर ले जाया गया था। 6 दिन बाद उनकी मौत हो गई।

बांग्लादेश सरकार ने पत्रकारों पर हमलों की निंदा की

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश में हाल ही में हुई हिंसा और पत्रकारों पर हमलों की कड़ी निंदा की है। सरकार ने कहा कि वह हिंसा, धमकी, आगजनी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की हर घटना की साफ और बिना किसी शर्त के निंदा करती है। सरकार ने बताया कि इस समय बांग्लादेश एक ऐतिहासिक लोकतांत्रिक बदलाव के दौर से गुजर

रहा है, जिसे नफरत और अराजकता से नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। अंतरिम सरकार ने लोगों से अपील की कि वे भीड़ की हिंसा का विरोध करें। सरकार ने कहा कि कुछ कट्टर और हाशिए पर मौजूद तत्व देश को अस्थिर करना चाहते हैं।

यूनुस बोले...बांग्लादेश में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं

बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को छात्र नेता उस्मान की मौत के बाद भड़की हिंसक प्रदर्शनों के बीच एक हिंदू व्यक्ति की पिटाई और हत्या की कड़ी निंदा की। यूनुस ने जोर देकर कहा कि 'नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है'। उन्होंने कहा कि इस अपराध में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। हादी की मौत के विरोध में शुक्रवार को राजधानी के विभिन्न हिस्सों से छात्र और आम लोग शाहबाग चौराहे पर इकट्ठा होते नजर आए। प्रदर्शनकारी छात्र झंडे लिए हुए हैं। वे 'हम हादी भाई के खून को बर्बाद नहीं जाने देंगे।' जैसे नारे लगा रहे हैं। छात्र अशफकुर रहमान शनि बोले, 'हमने एक सच्चे देशभक्त को खो दिया है। मुझे रात को नींद नहीं आई। मैं सुबह विरोध प्रदर्शन करने यहां आया हूं। शहीद उस्मान हादी जैसे देशभक्त और बहादुर शख्स के चले जाने से हम बेहद दुखी हैं।'

नागपुर में बड़ा हादसा...कंस्ट्रक्शन के दौरान पानी की टंकी गिरी 6 की मौत,4 अस्पताल में भर्ती

नागपुर,19 दिसम्बर 2025। महाराष्ट्र के नागपुर में शुक्रवार को फैक्ट्री में पानी की टंकी गिरने से 6 मजदूरों की मौत हो गई। 4 अन्य घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 9.30 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि एमआईडीसी बुटीबोरी इलाके में सोलर पैनल बनाने वाली फैक्ट्री अवाडा इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेड में टंकी मजदूरों पर गिरी। इसमें 10 मजदूर दब गए। इनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। 4 मजदूरों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। ये मजदूर पानी की टंकी के पास कंस्ट्रक्शन का काम कर रहे थे तभी टंकी ढह गई। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला। पुलिस ने आशंका जताई है कि टंकी का स्ट्रक्चर कमजोर होने और पानी के प्रेशर की वजह से हादसा हुआ। नागपुर रुरल की डिप्टी एसपी भाग्यश्री धीरबस्सी ने कहा,हमें सूचना मिली थी कि पानी के प्रेशर की वजह से बलास्ट हुआ है। 10 लोग हादसे की चपेट में आए है। मृतकों की बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए एम्स भेज दिया है। और 4 लोगों का इलाज चल रहा है।

बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए बनेगा ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी : अमित शाह

नई दिल्ली,19 दिसम्बर 2025। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में देशभर में बंदरगाहों और जहाजों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक समर्पित निकाय के गठन पर जोर दिया। ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी (बीओपएस) के गठन की चर्चा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि बंदरगाहों के सुरक्षा उपायों को जोखिम आधारित और चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए, जिसमें संवेदन शीलता, व्यापारिक संभावनाओं, भौगोलिक स्थिति और अन्य प्रासंगिक पहलुओं को ध्यान में रखा जाए। बैठक में बैठक में केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री तथा नागरिक उड्डयन मंत्री भी उपस्थित रहे। बैठक में ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी को नव-प्रवर्तित मर्चेंट शिपिंग अधिनियम, 2025 की धारा 13 के तहत एक वैधानिक निकाय के रूप में गठित करने पर चर्चा हुई। यह ब्यूरो पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन कार्य करेगा और जहाजों तथा बंदरगाह सुविधाओं की सुरक्षा से जुड़े नियामक और पर्यवेक्षण कार्यों के लिए जिम्मेदार होगा। इसका ढांचा ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है। ब्यूरो का नेतृत्व महानिदेशक करेंगे, जो पे लेवल-15 के आईपीएस अधिकारी होंगे। संक्रमण काल के एक वर्ष के दौरान महानिदेशक शिपिंग (डीजीएस/डीजीएमए) ही ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी के महानिदेशक का कार्यभार संभालेंगे। बैठक में यह भी बताया गया कि ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी सुरक्षा से जुड़ी सूचनाओं के समयबद्ध विश्लेषण, संग्रह और आदान-प्रदान को सुनिश्चित करेगा। इसमें साइबर सुरक्षा पर विशेष फोकस रहेगा और बंदरगाहों की आईटी संरचना को डिजिटल खतरों से सुरक्षित रखने के लिए एक समर्पित प्रभाग गठित किया जाएगा। बंदरगाह सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को बंदरगाह सुविधाओं के लिए मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन घोषित किया गया है। सीआईएसएफ बंदरगाहों की सुरक्षा ऑडिट, सुरक्षा योजनाओं की तैयारी और निजी सुरक्षा एजेंसियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण की जिम्मेदारी भी निभाएगा। निजी सुरक्षा एजेंसियों के लिए लाइसेंसिंग और नियामक व्यवस्था लागू की जाएगी, ताकि केवल प्रमाणित एजेंसियां ही इस क्षेत्र में कार्य कर सकें। बैठक में बताया गया कि समुद्री सुरक्षा ढांचे से मिले अनुभवों और सबकों को नागरिक उड्डयन सुरक्षा व्यवस्था में भी लागू किया जाएगा।

दिल्ली-पंजाब समेत कई राज्यों में ईडी की छापेमारी,करोड़ों रुपये और 300 किलो चांदी जब्त

नई दिल्ली,19 दिसम्बर 2025। डंकी रूट के जरिए भारत से युवाओं को अमेरिका भेजने के मामले में ईडी ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने दिल्ली-पंजाब समेत कई राज्यों में दर्जन भर से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में ईडी ने चार करोड़ रुपये से ज्यादा नकद और 300 किलो से ज्यादा चांदी और छह किलो सोने के बिस्किट जब्त किए। ये छापे गुरुवार को दिल्ली, पंजाब (जालंधर) और हरियाणा (पानीपत) में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर मारे गए।

दिल्ली के ट्रैवल एजेंट से करोड़ों रुपये जब्त...

अधिकारियों ने दावा किया कि दिल्ली के एक ट्रैवल एजेंट के ठिकाने से 4.62 करोड़ रुपये कैश, 313 किलो चांदी और 6 किलो सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। जांचकर्ताओं ने छापों के दौरान मिले फोन और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कुछ आपत्तिजनक चैट भी बरामद की हैं। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा में एक मुख्य आरोपी के ठिकाने से 'डंकी' बिजनेस से जुड़े रिकॉर्ड और दस्तावेज मिले हैं। आरोप है कि एजेंट अवैध रूप से अमेरिका जाने वाले लोगों के प्रॉपर्टी के दस्तावेज अपने कमीशन की रकम की गारंटी के तौर पर रखते थे। 'डंकी' शब्द का मतलब उस लंबी और मुश्किल यात्रा से है जो अप्रवासी अवैध रूप से देशों में घुसने के लिए करते हैं।

लोकसेवकों के चयन में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को मिले सर्वोच्च प्राथमिकता : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली,19 दिसम्बर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का कहना है कि लोक सेवा आयोगों को केवल अवसर की समानता के संवैधानिक आदर्श तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि परिणामों की समानता के लक्ष्य को भी हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। लोक सेवा आयोग समानता और न्याय को बढ़ावा देने वाले परिवर्तन के वाहक हैं और उनकी भूमिका देश की शासन व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को हैदराबाद में लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन करते हुए यह व्यक्त किए। इस सम्मेलन का आयोजन तेलंगाना लोक सेवा आयोग ने किया था। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि संविधान निर्माताओं ने सेवाओं और लोक सेवा आयोगों के लिए संविधान में एक पूरा भाग समर्पित किया है, जो इन संस्थाओं के महत्व को रेखांकित करता है। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के साथ-साथ सार्वजनिक रोजगार में अवसर की समानता से जुड़े संवैधानिक प्रावधान लोक सेवा आयोगों के कामकाज की दिशा तय करते हैं। उन्होंने कहा कि लोक सेवा आयोगों द्वारा चयनित स्थायी कार्यपालिका शासन व्यवस्था को निष्पक्षता, निरंतरता और स्थिरता प्रदान करती है। ऐसे में सिविल सेवकों की ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और दक्षता अत्यंत आवश्यक है। उम्मीदवारों की भर्ती में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, क्योंकि कौशल की कमी को प्रशिक्षण से दूर किया जा सकता है, लेकिन सत्यनिष्ठा की कमी गंभीर चुनौतियां पैदा कर सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि सिविल सेवा में आने वाले युवाओं में हाशिए पर मौजूद और कमजोर वर्गों के लिए काम करने की भावना होनी चाहिए। उन्होंने महिलाओं की जरूरतों और आकांक्षाओं के प्रति विशेष संवेदनशीलता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि लैंगिक संवेदनशीलता को लोक सेवा आयोगों को उच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और निकट भविष्य में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है।

एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम में लगातार दो तिमाही से मध्य प्रदेश देश में प्रथम

भोपाल,19 दिसम्बर 2025। मध्य प्रदेश में एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार की एचएमआईएस रैंकिंग में मध्य प्रदेश ने लगातार पिछली दो तिमाही में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश में बच्चों एवं महिलाओं में रक्त की कमी को दूर करने के लिए निरंतर और समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं।

एनीमिया मुक्त होने का अर्थ है कि बच्चों और महिलाओं के शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य हो, जिससे उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास बेहतर तरीके से हो सके। यह कार्यक्रम मातृ एवं बाल स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में स्थापित हुआ है। प्रदेश में किए गए सतत और प्रभावी प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि एनीमिया मुक्त भारत सरकार की एचएमआईएस रैंकिंग में मध्य प्रदेश ने लगातार पिछली दो तिमाही में देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी स्वास्थ्य सेवाओं की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र की प्रतिबद्धता, समर्पण और टीमवर्क का प्रतिफल है।

हिजाब विवाद...सीएम नीतीश को महबूबा की बेटी की धमकी,कहा...अगली बार नकाब को हाथ लगाया तो सबक सिखाएंगे,शिकायत दर्ज कराई

श्रीनगर,19 दिसम्बर 2025। बिहार में महिला डॉक्टर का हिजाब हटाने को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की बेटी और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने धमकी दी है। इल्तिजा ने श्रीनगर में कहा- आपको (नीतीश) कोई हक नहीं बनता कि आप हमारे नकाब या हिजाब को हाथ लगाए। अगली बार हमारे हिजाब को हाथ लगाया तो हम मुसलमान औरतें ऐसा सबक सिखाएंगी कि जिंदगी भर भूलेंगे नहीं। पीडीपी नेता ने कहा- नीतीश कुमार ने जो हरकत की, उसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। इल्तिजा ने कोठीबाग थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बिहार सीएम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हालांकि, पुलिस की ओर से इस पर कोई जानकारी नहीं दी गई है कि बिहार सीएम के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है या नहीं।

संपादकीय

महात्मा गांधी का नाम हटाने पर हंगामा

संसद से सड़कों तक गरमाई रीब्रैंडिंग पॉलिटिक्स

संसद के शीतकालीन सत्र में व्हीबी-ग्राम जी बिल पर खूब हंगामा हुआ,जिसे मनरेगा के विकल्प के तौर पर लाया गया है। विपक्ष ने न केवल बिल के प्रावधानों का विरोध किया, बल्कि महात्मा गांधी का नाम हटाने को राष्ट्रपिता का अपमान भी बताया...

संसद का शीत सत्र खत्म हो रहा है। इसमें कई बिलों पर बात हुई, लेकिन सबसे ज्यादा हल्ला विकसित भारत गारंटी फ ॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन बिल,2025 यानी व्हीबी-ग्राम जी को लेकर हुआ। इसे मनरेगा को रिप्लेस करने के लिए लाया गया। मनरेगा यानी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम। विपक्ष ने इसका विरोध बिल के प्रावधानों के साथ ही ये कहकर भी किया कि महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता का अपमान है।

ये पहली बार नहीं है जब एनडीए सरकार पुरानी योजनाओं की जगह नए नाम के साथ स्कीम लाई हो। योजनाओं के नाम के साथ ही शहरों के नाम, सड़कों के नाम, जगहों के नाम बदले गए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि 1975 से 2013 के बीच शुरू की गई 32 योजनाओं को एनडीए सरकार ने नाम बदलकर लॉन्च किया। वह सरकार पर पुरानी योजनाओं की रीपैकेजिंग और रीब्रैंडिंग का इल्जाम लगाती रही है। जैसे पहले जो इंदिरा आवास योजना थी, उसकी जगह अब प्रधानमंत्री आवास योजना है। हालांकि अलग-अलग चुनावी राज्यों में जब इस योजना के लाभार्थियों से हमने बात की और उन लोगों से बात की जिन्हें इसका लाभ मिलना चाहिए था और वे इंतजार कर रहे हैं, लगभग सभी इसे पुराने नाम से ही संबोधित करते रहे।

एनडीएमसी ने दिल्ली की रेस कोर्स रोड का नाम बदला,जिससे प्रधानमंत्री आवास का पता भी बदल गया। जो पहले 7- रेस कोर्स रोड होता था वह 7- लोक कल्याण मार्ग हो गया। इसी तरह राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्यपथ किया गया। पीएमओ और कुछ अहम ऑफिस जिस बिल्डिंग में होंगे,उसका नाम सेवा तीर्थ रखा गया है। राजभवन और राजनिवास का नाम भी लोकभवन और लोकनिवास करने का निर्देश सरकार की तरफ से दिया गया है। बीजेपी और संघ से जुड़े लोगों के मुताबिक,जो नाम असंगत लगते हैं,जो भारत की संस्कृति और भारतीयता से मेल नहीं खाते, उन्हें बदलने में कोई हर्ज नहीं है। राजनीति गुलामी की मानसिकता से आजादी की बात कह चुके हैं। इसके बाद ब्रिटिश काल के दौरान रखे गए कई नाम बदले गए। सशस्त्र सेनाओं ने भी अपनी कुछ इमारतों के नाम बदले। लेकिन ये सिर्फ गुलामी की मानसिकता से आजादी की ही बात नहीं है बल्कि यह कल्चरल पॉलिटिक्स यानी सांस्कृतिक राजनीति का भी हिस्सा है। जब सरकार महिला आरक्षण बिल लाई तो इसका नाम रखा नारी शक्ति वंदन विधेयक, जो अब नारी शक्ति वंदन एक्ट बन गया है। इसी तरह आईपीसी की जगह पर भारतीय न्याय संहिता को लाया गया। कई बार संसद में दक्षिण भारतीय विपक्षी सांसदों ने बिलों का नाम हिंदी में रखने का विरोध भी किया। लेकिन हिंदी बीजेपी की सांस्कृतिक राजनीति का हिस्सा है। जाहिर है, जी रामजी बिल का नाम ऐसे ही नहीं रखा गया है। इससे बीजेपी की वैचारिक,सांस्कृतिक और हिंदुत्व की राजनीति की झलक मिलती है।

अरावली चौराहे पर:जब परिभाषा तय करती है भविष्य

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा भिवानी,हरियाणा

"अरावली पर्वतमाला,जो विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है,पश्चिमी भारत में एक मौन पारिस्थितिक प्रहरी के रूप में सदियों से खड़ी रही है। गुजरात से राजस्थान होते हुए हरियाणा और दिल्ली तक फैली यह श्रृंखला भूजल पुनर्भरण, मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण,जलवायु संतुलन तथा धूल और प्रदूषकों को रोकने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करती है। हालिया विवाद, जिसमें अरावली की कानूनी परिभाषा को पुनर्परिभाषित किया गया है, ने इस प्राचीन पर्वतमाला को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहाँ शब्दावली ही उसके अस्तित्व का भविष्य तय कर सकती है।"

विवाद के केंद्र में अरावली पहाड़ियों की एक नई,समान और तकनीकी परिभाषा है, जिसमें न्यूनतम ऊँचाई को मुख्य मानक बनाया गया है। प्रशासनिक दृष्टि से मानकीकरण भले ही सरल प्रतीत हो,पर प्रकृति सीधी रेखाओं में कार्य नहीं करती। छोटी पहाड़ियाँ,चट्टानी उभार,ढलान और असमतल भू-आकृतियाँ–जो इस ऊँचाई के मानक से नीचे आती हैं–मिलकर एक ऐसा पारिस्थितिक तंत्र बनाती हैं जो जलधारण और जैव विविधता के लिए अनिवार्य है। ऊँचाई को कार्यात्मक महत्व से ऊपर रखना भू-दृश्यों की भाषा को न समझने के समान है।भारत में पर्यावरण संरक्षण का विकास अक्सर न्यायिक हस्तक्षेप के माध्यम से हुआ है, जिसने कई बार प्रशासनिक निष्क्रियता की भरपाई की है। अरावली क्षेत्र भी दशकों से न्यायालय द्वारा लगाए गए खनन प्रतिबंधों और संरक्षण आदेशों से लाभान्वित रहा है। किंतु कानूनी परिभाषा को संकुचित करने का वर्तमान प्रयास इन उपलब्धियों को बिना किसी औपचारिक वापसी के कमजोर कर सकता है। यदि केवल तकनीकी कसौटी के आधार पर बड़े पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र संरक्षण से बाहर हो जाते हैं,तो यह पर्यावरणीय सुरक्षा का परोक्ष क्षरण होगा।इसके दुष्परिणाम पहले से ही संवेदनशील क्षेत्रों में अधिक गंभीर हो सकते हैं। राजस्थान की नाजुक भूजल व्यवस्था अरावली के जलग्रहण क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भर है। हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर के लिए यह पर्वतमाला पश्चिम से आने वाली धूल और प्रदूषण के विरुद्ध प्राकृतिक दीवार का काम करती है। इन पहाड़ियों का विखंडन–चाहे वह खनन, रियल एस्टेट या अवसंरचना परियोजनाओं के माध्यम से हो–भूजल स्तर में गिरावट, शहरी ताप द्वीप प्रभाव और वायु गुणवत्ता में और गिरावट ला सकता है। इसका मूल्य न्यायालयों में नहीं, बल्कि घरों, खेतों और अस्पतालों में चुकाना पड़ेगा। नई परिभाषा के समर्थकों का तर्क है कि स्पष्टता आवश्यक है ताकि अस्पष्टता कम हो,दुरुपयोग रोका जा सके और विकास परियोजनाओं को गति मिले। उनका कहना है कि व्यापक संरक्षण का कभी-कभी मनमाने ढंग से उपयोग हुआ है,जिससे वैध परियोजनाएँ अटकती रही हैं। यह चिंता पूरी तरह निराधार नहीं है। पर्यावरणीय शासन पारदर्शी, साक्ष्य-आधारित और न्यायसंगत होना चाहिए। किंतु प्रशासनिक अस्पष्टता का समाधान पारिस्थितिक विस्मृति नहीं हो सकता। स्पष्टता का उद्देश्य संरक्षण को सशक्त करना होना चाहिए,न कि उसे खोखला करना। यह बहस एक गहरी संरचनात्मक समस्या को भी उजागर करती है–भारत में पर्यावरण संरक्षण को अब भी अक्सर बाधा के रूप में देखा जाता है, निवेश के रूप में नहीं। अरावली बंजर भूमि नहीं है जिसे 'उपयोगी' बनाने के लिए बदला जाए; यह जीवित अवसंरचना है। जल सुरक्षा, जलवायु सहनशीलता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के रूप में जो सेवाएँ यह प्रदान करती है, उनकी भरपाई कृत्रिम उपायों से आसान नहीं है। जब नीति निर्माण में पर्यावरणीय परिसंपत्तियों का मूल्य कम आँका जाता है, तो तात्कालिक आर्थिक लाभ दीर्घकालिक सामाजिक हानि में बदल जाते हैं।

राजनीतिक स्तर पर इस मुद्दे ने तीखी प्रतिक्रियाएँ पैदा की हैं,जो पर्यावरणीय संरक्षण में संभावित ढील को लेकर बढ़ती सार्वजनिक चिंता को दर्शाती हैं। किंतु विमर्श को दलगत राजनीति से ऊपर उठना होगा। आवश्यकता एक ऐसे विज्ञान-आधारित और सहभागी ढाँचे की है, जो भू-आकृतिक स्वरूप के साथ-साथ पारिस्थितिक कार्यों को भी महत्व दे। रिमोट सेंसिंग, जीआईएस मानचित्रण और जलवैज्ञानिक मॉडलिंग जैसे आधुनिक उपकरण ऊँचाई से परे उच्च पारिस्थितिक मूल्य वाले क्षेत्रों की पहचान में सहायक हो सकते हैं। संरक्षण को तब सटीक रूप से अनुकूलित किया जा सकता है, न कि कमजोर। उतना ही महत्वपूर्ण है प्रभावी प्रवर्तन। सबसे सशक्त परिभाषाएँ भी तब निष्प्रभावी हो जाती हैं जब जमीनी स्तर पर निगरानी कमजोर हो। अरावली में प्रतिबंधों के बावजूद अवैध खनन का जारी रहना इस बात का संकेत है कि समस्या परिभाषा से अधिक संस्थागत कमजोरी की है। स्थानीय प्रशासन को मजबूत करना, वन और खनन विभागों को सशक्त बनाना तथा भूमि उपयोग परिवर्तन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना किसी भी संरक्षण रणनीति की अनिवार्य शर्त है। अंततः अरावली विवाद भारत के पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा एक बड़ा प्रश्न उठाता है–क्या नीतियाँ संकीर्ण तकनीकी मानकों से संचालित होंगी या पारिस्थितिक विवेक से? जलवायु अनिश्चितता,जल संकट और तीव्र शहरीकरण के इस दौर में गलती की गुंजाइश बेहद कम है। प्राचीन पहाड़ियाँ राजनीतिक कार्यकालों में पुनर्जीवित नहीं की जा सकतीं;एक बार समतल हो जाने पर वे सदा के लिए खो जाती हैं। परिभाषा का उद्देश्य वास्तविकता को स्पष्ट करना होना चाहिए, न कि उसे मिटा देना। विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते भारत के लिए आवश्यक है कि अरावली को केवल मानचित्र पर ऊँचाइयों के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्र के पर्यावरणीय और मानवीय इतिहास से जुड़ी जीवनरेखा के रूप में देखा जाए। नीति निर्माताओं के सामने विकल्प स्पष्ट है–पूरे तंत्र का संरक्षण करें या उसके क्रमिक लोप के साक्षी बनें। इतिहास तय करेगा कि कौन-सी परिभाषा वास्तव में राष्ट्रीय हित में थी।

भाजपा की राजनीति युवा कंधों पर,
कांग्रेस में परिवारवाद और वरिष्ठता हावी

अजय कुमार,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

राहुल गांधी जब भी सार्वजनिक मंच से बोलते हैं, तो ऐसा आभास देते हैं मानो अगला प्रधानमंत्री बनना अब बस औपचारिकता भर रह गया हो। लेकिन सियासत भावनाओं से नहीं, आंकड़ों और नतीजों से चलती है। 2014, 2019 और 2024 तीन लोकसभा चुनाव बीत चुके हैं और तीनों में जनता ने राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार नहीं किया। इसके बावजूद वे उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते दिखते हैं। राजनीति में रिटायरमेंट की कोई तय उम्र नहीं होती, लेकिन लोकतंत्र में जनता बार-बार किसी नेता को नकार दे, तो वह खुद एक बड़ा संकेत होता है। राहुल गांधी आज 55 वर्ष के हैं। अगर वे किसी सरकारी या गैर-सरकारी संस्था में होते, तो अगले पाँच साल में रिटायरमेंट की तैयारी शुरू हो जाती। राजनीति में वे रिटायर नहीं होंगे, लेकिन उनके सामने जो खतरे खड़े हो रहे हैं,वे अब नजरअंदाज करने लायक नहीं रहे। राहुल गांधी के स्वभाव और राजनीतिक शैली पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। नकारात्मक राजनीति उनके भाषणों का स्थायी हिस्सा बन चुकी है। कभी चौकीदार चोर है, कभी वोट चोर कभी गद्दी छोड़ो हर चुनाव के बाद नया नारा, लेकिन नतीजा वही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार उन्हें हर हाल में चोर ही नजर आती है। समस्या यह नहीं कि वे सवाल उठाते हैं,समस्या यह है कि जनता को उनके सवालों में समाधान नहीं दिखता। विपक्ष की भूमिका निभाने और वैकल्पिक नेतृत्व देने के बीच जो फर्क होता है, राहुल गांधी आज भी उसी रेखा को नहीं पकड़ पाए हैं।

बीते महीनों में कांग्रेस के भीतर से ही जो आवाजें उठी हैं,वे राहुल गांधी की राजनीति के लिए नए खतरे का संकेत देती हैं। ओडिशा के पूर्व विधायक मोहम्मद मोकीम का पत्र कोई मामूली घटना नहीं थी। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उम्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस युवाओं से कटती जा रही है और नेतृत्व में बदलाव की जरूरत है। इसी पत्र में उन्होंने राहुल गांधी पर भी इशारों-इशारों में कहा कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं और युवाओं से कनेक्ट नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस ने आत्ममंथन करने के बजाय मोकीम को निष्कासित कर दिया। यह वही पुरानी कांग्रेस है, जो आईना दिखाने वालों को बाहर का रास्ता दिखा देती है। इंडिया

गठबंधन के भीतर भी राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर असहजता अब खुलकर दिखने लगी है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वोट चोरी के आरोपों को सार्वजनिक तौर पर खारिज कर दिया। ममता बनर्जी लोकसभा चुनाव के बाद ही नेतृत्व परिवर्तन की बात कह चुकी हैं। शरद पवार,अखिलेश यादव और लालू यादव जैसे नेता भी निजी बातचीत में यही संकेत देते रहे हैं कि कांग्रेस को अब आत्मकेंद्रित राजनीति छोड़नी होगी। सवाल साफ है अगर अपने ही सहयोगी राहुल गांधी पर भरोसा नहीं कर पा रहे, तो देश कैसे करेगा?

राहुल गांधी खुद को युवाओं का नेता बताने की कोशिश करते हैं। वे जेन-जी की बात करते हैं,आंदोलन की वकालत करते हैं, सोशल मीडिया पर युवाओं को संबोधित करते हैं। लेकिन 2029 में जब अगला लोकसभा चुनाव होगा, तब राहुल गांधी 59 वर्ष के होंगे। जेन-जी वह पीढ़ी है, जिसकी उम्र आज 13 से 28 वर्ष के बीच है। यह मान लेना कि 60 के करीब पहुंचा नेता किशोरों और युवाओं की मानसिकता का नेतृत्व करेगा,सियासत की हकीकत से आंख चुराने जैसा है। युवाओं को केवल भाषण नहीं चाहिए, उन्हें अवसर,नेतृत्व और भविष्य की स्पष्ट तस्वीर चाहिए जो कांग्रेस आज तक नहीं दे पाई। इसके उलट भारतीय जनता पार्टी ने साफ तौर पर युवा नेतृत्व की ओर शिफ्ट करना शुरू कर दिया है। दिसंबर 2025 में बिहार के मंत्री और पांच बार के विधायक नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाना सिर्फ एक नियुक्ति नहीं है,यह एक राजनीतिक संदेश है। भाजपा ने यह साफ कर दिया है कि भविष्य की राजनीति युवाओं के कंधों पर लड़ी जाएगी। संगठन से लेकर सरकार तक, 50 से 55 वर्ष की उम्र के नेताओं को जिम्मेदारी दी जा रही है। योगी आदित्यनाथ,देवेंद्र फडणवीस, पुष्कर सिंह धामी,मोहन यादव ये सभी चेहरे दिखाते हैं कि भाजपा लंबी राजनीतिक पारी की तैयारी कर रही है।

कांग्रेस की हालत इसके ठीक उलट है। सचिन पायलट जैसे नेता सालों से इंतजार में हैं। कर्नाटक में डीके शिवकुमार आज भी मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं। शशि थरूर को लोकप्रियता के बावजूद किनारे रखा गया। कन्हैया कुमार जैसे नेता इस्तेमाल से ज्यादा उपेक्षा के शिकार हुए। नतीजा यह हुआ कि ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, जयवीर शेरगिल जैसे युवा चेहरे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए। कांग्रेस आज भी वरिष्ठता और परिवारवाद की दीवार में उलझी हुई है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को युवा चेहरा कहा जाता है,लेकिन पार्टी के भीतर अंतिम फैसले आज भी सोनिया गांधी के इर्द-गिर्द घूमते हैं। कर्नाटक संकट हो या संगठनात्मक फेरबदल, आखिरी नजर उन्हीं पर जाती है। यह स्थिति उस पार्टी की है,जो खुद को लोकतंत्र की संरक्षक बताती है।

कांग्रेस का अंदरूनी कलह उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन चुका है। हरियाणा और दिल्ली में आम आदमी पार्टी से टकराव, बिना सहयोगियों को भरोसे में लिए राष्ट्रीय रैलियां,गठबंधन धर्म की अनदेखी ये सब राहुल गांधी की राजनीतिक समझ पर सवाल खड़े करते हैं। विपक्ष को जोड़ने का दावा करने वाले नेता के कदम अगर खुद बिखराव पैदा करें, तो खतरा स्वाभाविक है। सबसे बड़ा खतरा उम्र नहीं, बल्कि समय से तालमेल न बैठा पाना है। भाजपा जहां युवाओं को आगे कर रही है,वहीं कांग्रेस बूढ़ों की फौज बनती जा रही है। राहुल गांधी चाहे जितना युवा दिखने की कोशिश करें, सच्चाई यही है कि पांच साल बाद वे भी उसी कतार में होंगे, जिसकी ओर मोकीम ने अपने पत्र में इशारा किया था। भारतीय राजनीति अब धैर्य नहीं, दिशा मांगती है। जनता को सपना नहीं,रोडमैप चाहिए। राहुल गांधी आज भी संघर्ष और शिकायत के बीच फंसे हुए हैं। अगर यही रफ्तार रही, तो आने वाले सालों में उनके लिए सबसे बड़ा खतरा विरोधी नहीं, बल्कि समय साबित होगा।

देश की लोकतांत्रिक आस्था और उसका परिमार्जित मूल्यांकन

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़,

स्वतंत्रता के अठहत्तर वर्ष व्यतीत हो जाने के बाद यह समय केवल उत्सव और आत्मसंतोष का नहीं,बल्कि आत्मालोचन, आत्ममंथन और लोकतांत्रिक आस्था के समग्र मूल्यांकन का भी है। यह स्वतंत्रता हमें सहज नहीं मिली है इसके पीछे अनगिनत बलिदान,अथक संघर्ष और पीढ़ियों का खून-पसीना समाहित है। इसी संघर्ष की कोख से जन्मे भारतीय संविधान ने लोकतंत्र को राष्ट्र की आत्मा के रूप में प्रतिष्ठित किया। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इस लोकतांत्रिक आस्था को केवल शब्दों में नहीं,बल्कि व्यवहार, नीति और सामाजिक आचरण में भी चिरस्थायी बनाए रखें,ताकि स्वतंत्रता हमारी अस्मिता की तरह सदैव सुरक्षित रह सके।

भारतीय लोकतंत्र की शक्ति उसकी विविधता,समावेशिता और सहिष्णुता में निहित है। जाति, रंग, भाषा, धर्म और क्षेत्रीय भिन्नताओं के बावजूद एक साझा राष्ट्रीय चेतना का निर्माण ही लोकतंत्र का मूल लक्ष्य रहा है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत की सरकारों ने एक ऐसे नवीन और सशक्त भारत का स्वप्न देखा,जहाँ अमीरी-गरीबी, जाति-संप्रदाय, ऊँच-नीच और भेदभाव की दीवारें ढह जाएँ। किंतु यथार्थ यह है कि तमाम प्रयासों के बावजूद सामाजिक-आर्थिक विषमता आज भी हमारे लोकतांत्रिक ढाँचे के सामने एक गंभीर चुनौती बनकर खड़ी है। यह विषमता न केवल देश की आंतरिक स्थिरता को प्रभावित करती है,बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की छवि के लिए भी बाधक सिद्ध हो सकती है। लोकतंत्र केवल मताधिकार या सत्ता-परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं है; यह संवाद,सहमति और असहमति के सभ्य सहअस्तित्व का नाम है। किंतु जब नीतिगत असहमति राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़ में बदल जाए,जब वैचारिक टकराव हत्याओं और हिंसा का रूप ले ले, तब यह लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत नहीं कहा जा सकता। देश को आज एक सशक्त आंतरिक नीति, सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक संस्थाओं के बीच संतुलित तालमेल की आवश्यकता है। संसद, विधायिका और कार्यपालिका के बीच सामंजस्य के अभाव में विकास की अनेक परिकल्पनाएँ अधूरी रह जाती हैं,और लोकतांत्रिक विश्वास कमजोर पड़ता है।

भारत की विदेश नीति ने हाल के वर्षों में देश को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दी है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भारत की सक्रिय भूमिका, उसकी कूटनीतिक दृढ़ता और वैश्विक मुद्दों पर संतुलित दृष्टिकोण प्रशंसनीय है। किंतु यह भी सत्य है कि केवल सफल विदेश नीति से 140 करोड़ से अधिक नागरिकों का जीवनस्तर नहीं सुधर सकता। देश की वास्तविक शक्ति उसकी जनता के आर्थिक सशक्तिकरण, रोजगार के अवसरों और उत्पादन में आत्मनिर्भरता से आती है। जब तक आम नागरिक के हाथ में काम,आय और सम्मानजनक जीवन के साधन नहीं होंगे, तब तक लोकतंत्र की जड़ें पूर्णतः मजबूत नहीं हो सकतीं।

गरीबी उन्मूलन के लिए केवल मुफ्त अनाज पर्याप्त नहीं है। भूख से राहत के साथ-साथ आजीविका, कौशल विकास और रोजगार की स्थायी व्यवस्था अनिवार्य है। गरीबी के अनेक रूप हैं–शिक्षा की कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव, लैंगिक असमानता, सामाजिक बहिष्कार– इन सभी पर एक साथ प्रहार किए बिना समग्र विकास संभव नहीं। पिछड़े वर्गों, दलितों, दिव्यांगों,महिलाओं और गरीब बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण निशुल्क शिक्षा, पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएँ,रोजगार गारंटी और कौशल-आधारित प्रशिक्षण को हर विकास योजना का केंद्र बनाना होगा। योजनाएँ बनती रही हैं, पंचवर्षीय योजनाओं से लेकर वार्षिक कार्यक्रमों तक, किंतु उनका प्रभावी क्रियान्वयन और संसाधनों का ईमानदार उपयोग ही लोकतांत्रिक शासन की असली कसौटी है। भारतीय समाज में जातिवाद आज भी एक गहरे नासूर की तरह विद्यमान है। स्वतंत्रता के बाद ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसे महान व्यक्तित्वों ने सामाजिक समरसता और समानता के लिए अपना जीवन समर्पित किया। 1955 का सिविल अधिकार अधिनियम और संविधान के प्रगतिशील प्रावधान इस दिशा में मील के पत्थर थे, फिर भी जाति-आधारित भेदभाव पूरी तरह समाप्त नहीं हो सका। दुर्भाग्यवश, राजनीति ने कई बार इस विभाजन को और गहरा किया, जिससे लोकतांत्रिक चेतना कमजोर पड़ी।

सोशल मीडिया की चकाचौंध,असली ज़िंदगी से दूर हो रहे हम,एक गहन विश्लेषण

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह

आज हर हाथ में स्मार्टफोन है,और हर आँख स्क्रीन पर टिकी हुई। फेसबुक,व्हाट्सएप,यूट्यूब,इंस्टाग्राम,टिकटॉक जैसे ऐप्स ने हमारी ज़िंदगी पर पूरी तरह कब्ज़ा जमा लिया है। भारत में करोड़ों से अधिक इंटरनेट यूजर्स हैं,जिनमें से 60 प्रतिशत से ज़्यादा रोज़ाना औसतन 2 घंटे 28 मिनट सोशल मीडिया पर बिताते हैं, ख़ासकर 16-34 वर्ष के युवा जो कुल यूजर्स का 70 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं । सुबह उठते ही फोन चेक करना, खाना खाते हुए स्क्रॉलिंग,रात को सोने से पहले रील्स,यह चक्र टूट ही नहीं रहा। लेकिन सच्चाई यह है कि यह चमकदार वर्चुअल दुनिया हमें असली दुनिया से तेज़ी से दूर कर रही है। एक ही कमरे में बैठे बच्चे-बड़े फोन में खोए रहते हैं,बातचीत ख़त्म हो गई है। क्या हम अपने ज़रूरी कामों, रिश्तों और परिवार को भूल रहे हैं? आइए,सरल शब्दों में आमजन की भाषा में समझें कि आख़िर सच क्या है और इसके गंभीर परिणाम क्या हैं ।रिश्तों में बढ़ती भावनात्मक खाई परिवार के सदस्य साथ बैठे हैं, लेकिन आँखें स्मार्टफोन की नीली रोशनी में डूबी हुईं। बच्चे रील्स और गेम्स में खोए रहते हैं,माता-पिता व्हाट्सएप ग्रूप्स या इंस्टाग्राम स्टोरीज़ में व्यस्त। पहले डिनर टेबल पर हँसी-मजाक, सुख-दुख की बातें होती थीं,अब चुप्पी और साइलेंट नोटिफिकेशन्स की आवाजें गूँजती हैं। सोशल मीडिया की इस व्यस्तता ने संवाद की डोरें काट दी हैं–लोग वर्चुअल फ्रेंड्स से जुड़ते हैं, लेकिन घरवालों से दूर हो जाते हैं ।

नतीजा? भावनात्मक दूरी बढ़ रही है। पति-पत्नी के बीच झगड़े, माता-पिता-बच्चों में समझ की कमी,भाई-बहनों में वो पुरानी दोस्ती ग़ायब। लाइक और कमेंट्स से रिश्ते चलाने लगे हैं, लेकिन दिल की गहराई वाली बातें शून्य। अध्ययनों से साबित है कि यह डिजिटल एकांत अकेलापन,तनाव और यहां तक कि तलाक़ के मामलों को बढ़ावा दे रहा है। सच्चाई यही है कि कनेक्टेड डिवाइस हमें असल में डिस्कनेक्ट कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा बुरा असर स्क्रॉल करते-करते समय का पता ही नहीं चलता–एक घंटा सोचा,चार घंटे निकल गए। इंस्टाग्राम पर परफ़ेक्ट लाइफ,लग्ज़री ट्रिप्स,फिट बॉडी दिखाने वाले पोस्ट तुलना का ज़हर घोलते हैं। दूसरों की ज़िंदगी इतनी अच्छी क्यों? यह सवाल चिंता,डिप्रेशन और नींद न आने की बीमारी लाता है। 2025 के आंकड़ों के मुताबिक़,भारत में 60 प्रतिशत युवा मानसिक रोगों से ग्रस्त हैं, और सोशल मीडिया इसका प्रमुख कारण है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 ने भी इस गिरावट की चेतावनी दी है।

बच्चे सबसे ज़्यादा प्रभावित हैं। उनकी एकाग्रता क्षमता घट रही है, पढ़ाई में रुचि ख़त्म,स्कूल में ध्यान भटकना आम। नींद टूट रही है क्योंकि रात को लेटे-लेटे वीडियो चलते रहते हैं। साइबर बॉडी शेमिंग जैसी समस्याएं तो और भी घातक हैं। सच्चाई सामने है,यह लत न सिर्फ़ ख़ुशी चुरा रही, बल्कि गंभीर बीमारियां जैसे एंग्जायटी और डिप्रेशन फ़ैला रही है। समय,कामकाज और उत्पादकता की बर्बादी,जरूरी काम जैसे पढ़ाई, नौकरी, घर की जिम्मेदारियां सब पीछे छूट जाते हैं। स्टूडेंट्स एग्ज़ाम से पहले रील्स देखते हैं,ऑफिस वर्कर मीटिंग के बीच इंस्टाग्राम चेक करते हैं। उत्पादकता 30 प्रतिशत तक गिर जाती है, देरी से काम निपटाने पर तनाव बढ़ता है। सच्चाई यह है कि हम फ़ोन के ग़ुलाम बन गए हैं, जिंदगी के मालिक नहीं। लंबे समय में करियर प्रभावित होता है, आर्थिक नुकसान होता है। संतुलन लाने के सरल लेकिन प्रभावी उपाय,सोशल मीडिया बुरा नहीं,लेकिन ज्यादा इस्तेमाल ज़हर है। इसे नियंत्रित करने के व्यावहारिक तरीक़े अपनाएं,ऐप्स पर समय सीमा लगाएं रोज 1 घंटे से ज्यादा न चलाएं। फ़ोन के बिल्ट-इन फीचर्स जैसे स्क्रीन टाइम यूज करें । डिजिट्ल डिटॉक्स अपनाएं,सप्ताह में एक दिन फोन पूरी तरह बंद रखें,परिवार संग पार्क जाएं, बातें करें।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

सरगुजा जिले के 53 वें कलेक्टर अजीत वसंत ने किया पदभार ग्रहण

विभागीय अधिकारियों की ली परिचयात्मक बैठक, शासन की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर दिया जोर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के नवपदस्थ कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज यहाँ जिला कार्यालय में अपना पदभार ग्रहण किया। कलेक्टर श्री वसंत ने सरगुजा जिले के 53वें कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण किया। नवपदस्थ कलेक्टर श्री वसंत 2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी है। वे पूर्व में भी परिवीक्षा अवधि के दौरान सरगुजा जिले में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। नवपदस्थ कलेक्टर श्री वसंत इससे पूर्व कोरबा जिला कलेक्टर के रूप में पदस्थ थे।

विभिन्न शाखाओं का किया निरीक्षण

पदभार ग्रहण करने के पश्चात नवपदस्थ कलेक्टर श्री वसंत ने जिला कार्यालय के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर उनके कार्यों के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने जिला कार्यालय में स्थित जिला नाजिर कक्ष, कलेक्टर न्यायालय, नजूल कक्ष, रिकॉर्ड शाखा, प्रपत्र शाखा, एनआईसी कक्ष, राजस्व लेखा शाखा,आवक-जावक कक्ष,वित्त शाखा, भू अभिलेख शाखा आदि का निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होने निर्वाचन कार्यालय, ईवीएम स्ट्रांग रूम सहित विभिन्न विभागों का भी निरीक्षण कर कार्यों के संबंध में जानकारी ली।

विभागीय अधिकारियों की ली परिचयात्मक बैठक पदभार ग्रहण करते ही कलेक्टर श्री वसंत ने जिला अधिकारियों के साथ कलेक्टरेट सभाकक्ष में परिचयात्मक बैठक की। उन्होंने अधिकारियों से परिचय प्राप्त करते हुए विभिन्न विभाग अंतर्गत चल रहे विभागीय योजनाओं और कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी कार्यालयीन समय का ध्यान रखें, जिला मुख्यालय छोड़ने से पूर्व उच्च अधिकारी को अवगत कराएं। उन्होंने जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निष्ठापूर्वक, पारदर्शिता एवं अनुशासन के साथ कार्य करने कहा तथा शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरगुज़ा जिला जनजातीय बाहुल्य जिला है, इसलिए उनके हित को ध्यान में रखते हुए कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि जनता की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, श्री राम सिंह ठाकुर, श्री अमृत लाल ध्रुव, नगर निगम कमिश्नर श्री डी एन कश्यप, सर्व एसडीएम एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक साल में बंद हुई हवाई सेवा,फ्लाई बिग की अनियमितता पर टीएस सिंहदेव ने जताई नाराजगी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मां महामाया एयरपोर्ट दरिमा से शुरू हुई हवाई सेवा महज एक साल में ही बंद हो गई, जिससे स्थानीय लोगों में निराशा का माहौल है। फ्लाई बिग कंपनी द्वारा संचालित इस 19-सीटर विमान सेवा की कड़ी आलोचना करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि इस सेवा का बंद होना अच्छा ही हुआ। उन्होंने बताया कि फ्लाई बिग की विमान सेवा यात्रियों के लिए न तो कंफर्टेबल थी, न ही इसकी सेवाएं नियमित थीं। उन्होंने सरगुजा क्षेत्र की उपेक्षा पर भी चिंता व्यक्त की और इस रूट पर बड़े विमानों की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि रायपुर-अंबिकापुर-वाराणसी रूट को व्यवसायिक दृष्टि से बेहतर बताया गया है, जबकि रांची और इलाहाबाद जैसे स्थान भी विकल्प हो सकते हैं। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने उम्मीद जताई कि शीघ्र ही सरगुजा से किसी अन्य एयरलाइन कंपनी के माध्यम से हवाई सेवाएं शुरू होंगी। उन्होंने बताया कि इंडिगो एयरलाइंस से दो बार बैठक की गई है, और इस मुद्दे पर मंत्री से भी चर्चा हो चुकी है। यह सेवा 19 दिसंबर 2024 को दरिमा एयरपोर्ट से रायपुर और बिलासपुर के लिए शुरू हुई थी, जिसका शुरुआती किराया 999 रुपये था। यह सेवा सप्ताह में तीन दिन गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को उपलब्ध थी।

हालांकि, कुछ महीनों बाद ही फ्लाई बिग की सेवाएं अनियमित होने लगीं और फिर धीरे-धीरे बंद हो गईं। 2025 में मानसून के बाद जून तक यह सेवा पूरी तरह से ठप हो गई। दीपावली के आसपास केवल पांच दिनों तक उड़ानें संचालित हुईं, जिसके बाद फिर से सेवाएं बंद कर दी गईं। फ्लाई बिग को 29 अक्टूबर तक अपना विंटर शेड्यूल देना था, लेकिन कंपनी ने यह शेड्यूल भी नहीं जमा किया।

ग्राम कल्याणपुर में अवैध गन्ना परिवहन पर प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई

देर रात गन्ने की जब्ती कर कारखाना में कराया खाली

-संवाददाता-
सूरजपुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन में जिले के तहसील लटोरी अंतर्गत ग्राम कल्याणपुर में गन्ने के अवैध परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है की माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना केरता क्षेत्र अंतर्गत उत्पादित गन्ने को एक ट्रक में लोड कर पश्चिम बंगाल की ओर अवैध रूप से परिवहन किए जाने का प्रयास किया जा रहा था।सूचना मिलते ही एसडीएम सूरजपुर के निर्देशन में तहसीलदार लटोरी के सहयोग से नायब तहसीलदार लटोरी श्री दिवाकर के नेतृत्व में राजस्व विभाग, मंडी विभाग सूरजपुर, पुलिस विभाग, गन्ना विभाग तथा शुगर फैक्ट्री केरता के प्रबंध संचालक एवं एमडी की उपस्थिति में संयुक्त टीम द्वारा मौके पर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान अवैध परिवहन की पुष्टि होने पर संबंधित ट्रक को रात्रि लगभग 01 बजे रोककर शुगर फैक्ट्री केरता ले जाया गया। तत्पश्चात ट्रक में लोड गन्ने को नियमानुसार संबंधित किसान के नाम से कारखाना परिसर में सुरक्षित रूप से खाली कराया गया। उक्त कार्रवाई से गन्ने के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि किसानों के हितों के संरक्षण तथा शासन द्वारा निर्धारित नियमों के पालन हेतु इस प्रकार की संयुक्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अनैतिक देह व्यापार : होटल मैनेजर व कर्मचारी गिरफ्तार

महिला सहित कई आरोपी न्यायिक रिमांड पर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में अनैतिक देह व्यापार के एक संगठित नेटवर्क का पुलिस ने खुलासा किया है। महिला थाना अंबिकापुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित होटल के मैनेजर और कर्मचारी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। जांच में सामने आया है कि अवैध गतिविधियों को संचालित करने में होटल प्रबंधन की भी भूमिका थी।

पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर 2025 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आकाशवाणी चौक के पास स्थित एक मकान में युवक-युवतियों से अनैतिक देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद महिला थाना अंबिकापुर में अपराध क्रमांक 17/2025 दर्ज कर धारा 3, 4, 5, 7 अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 के तहत विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले आकाशवाणी चौक के समीप एक मकान से एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया, जिसे 10 नवंबर 2025 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि महिला का पति सुनील कुमार इस अवैध कारोबार में सहयोगी की भूमिका निभा रहा था, जबकि उसका साथी हेमंत दास देह व्यापार में शामिल युवतियों को ग्राहकों तक लाने-ले जाने का कार्य करता था। इसके बाद पुलिस ने संभावित ठिकानों पर दबिश देते हुए 13 दिसंबर 2025 को सुनील कुमार (40 वर्ष, निवासी मायापुर, जिला सरगुजा) और हेमंत दास (33 वर्ष, निवासी तेलसखरिया, थाना दरिमा) सहित एक अन्य महिला को गिरफ्तार किया। वहीं 14 दिसंबर 2025 को अंबिकापुर के एक अन्य मकान से एक और महिला आरोपी को हिरासत में लेकर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

विवेचना के दौरान 19 दिसंबर 2025 को मिले नए सुरागों के आधार पर पुलिस ने अंबिकापुर अर्बन चौपाटी के पास स्थित आर्यन होटल में पूछताछ की। जांच में अपराध से जुड़े पुख्ता सबूत मिलने पर होटल के मैनेजर मौजी लाल जायसवाल (53 वर्ष) और होटल कर्मचारी एकलव्य पैकरा (22 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे भी जांच जारी है और अनैतिक देह व्यापार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के संगठित अपराधों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मजदूर पर चाकू से हमला,रिपोर्ट दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शराब पीकर आ रहे युवक ने भांजा के घर जा रहे मजदूर पर चाकू से हमला कर दिया। जरहागढ निवासी जमशेद आलम ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 16 दिसम्बर को रात्रि करीब 10.30 बजे वह अपने भांजा के घर मझलीपीढ़ जा रहा था। इसी दौरान इन्द्रवाटिका के सामने गली के पास शराब पीकर आ रहे मझलीपीढ निवासी रोहीत चैहान उसके साथ गालीगलौज करने लगा। गाली देने से मना करने पर वह जान से मारने की धमकी देकर हाथ, मुक्का से मारपीट करते हुए चाकू से हमला किया, जिसमें गला जख्मी हो गया। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जशपुर जिला के करबला रोड निवासी उमेश राम पिता मुना राम 43 वर्ष को बाइक का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मार कर दिया, इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक की पुत्री उमा भारती ने पुलिस को बताया है कि 16 दिसंबर को परिवार के सभी सदस्य घर पर थे, उसके पिता उमेश राम घर से 50 मीटर दूर मुख्य मार्ग की ओर गए थे। शाम करीब 6 बजे बाइक क्रमांक सीजी 14 बी 1906 का चालक तेज रफ्तार में उनके पिता को ठोकर मार दिया, जिसमें उनका बांया हाथ टूट गया था और सीना सहित शरीर के कई हिस्से में अंदरूनी चोटें आई थी। घायल अवस्था में उमेश राम को जिला अस्पताल जशपुर लेकर स्वजन पहुंचे, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद 17 दिस बर को रिफर करने पर शासकीय एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां 18 दिसंबर की शाम 4 बजे इलाज के दौरान चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। मामले में पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम किया है।

यातायात नियम विरुद्ध एक मोटरसाइकिल में चार लोग सवार होकर जा रहे युवकों के विरुद्ध कार्यवाही

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

थाना मणिपुर पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग दौरान मोटरसाइकिल क्रमांक 15-EA -4287 में चार व्यक्ति बैठकर जा रहे थे जो वाहन रोक कर मोटरसाइकिल चालक की डॉक्टरी परीक्षण कराई गई जिसमें वाहन चालक नशे में होने से MV act की धारा 185 की कार्यवाही कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है एवं अन्य के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा,यातायात नियम एवं नशे के दुष्प्रभाव के विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस द्वारा गांधी स्टेडियम में ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा द्वारा विजेता छात्रों को ट्राफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा विद्यार्थियों में सामाजिक विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की आधिकारिक शुरुआत दिनांक 04 दिसंबर से की गई थी, जिसके अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों से लगभग 500 विद्यार्थियों ने सहभागिता ली।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा साइबर जागरूकता, महिला एवं बाल सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव तथा यातायात नियमों जैसे विषयों पर आधारित चित्र तैयार किए गए। इन चित्रों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिससे विद्यार्थियों एवं आगंतुकों को साइबर सुरक्षा, यातायात नियम एवं नशे के दुष्प्रभाव विषयों पर विचार-विमर्श एवं समझ विकसित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

प्रदर्शनी के दौरान प्रतिभागियों ने न केवल अपने चित्र प्रस्तुत किए, बल्कि अन्य विद्यार्थियों की कलाकृतियों का भी अवलोकन किया, जिससे सीखने एवं संवाद का वातावरण निर्मित हुआ। आयोजित प्रदर्शनी में पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक कुमार झा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों, नगर पुलिस अधीक्षक श्री राहुल बंसल तथा रक्षित निरीक्षक श्रीमती तृप्ति सिंह राजपूत उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया तथा विद्यार्थियों द्वारा चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किए गए विषयों की जानकारी ली गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आगंतुकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक विषयों पर अपनी सोच व्यक्त करने का अवसर मिला तथा जागरूकता से संबंधित विषयों पर जानकारी साझा की गई। प्रदर्शनी को एक शैक्षणिक एवं जागरूकता आधारित गतिविधि के रूप में देखा गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक स्तरों पर प्रतिभागियों का चयन किया गया।

महाविद्यालय स्तर पर पल्लवी व्यापारी, विशाखा एवं मार्था मिंज चयनित रहीं। हाई स्कूल स्तर पर अक्षिता डबराल, अनुष्का सिंह एवं राधिका ठाकुर का चयन किया गया। मिडिल स्कूल स्तर पर स्वाथिल गुप्ता, काव्या केशरी एवं सार्थक गुप्ता चयनित हुए जिन्हें पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज द्वारा ट्राफी एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

प्रतापपुर में राष्ट्रीय पशु बाघ की करंट से हत्या,वन विभाग की लापरवाही पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

डीएफओ को सौंपा ज्ञापन,दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

-संवाददाता-
प्रतापपुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय पशु बाघ की मौत ने एक बार फिर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रतापपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत घूई वन परिक्षेत्र के रेवटी बीट में शिकारियों द्वारा करंट लगाकर बाघ की हत्या किए जाने के मामले से क्षेत्र में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह घटना वन विभाग की घोर लापरवाही, उदासीनता और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का प्रत्यक्ष परिणाम है। ग्रामीणों ने सूरजपुर जिला वनाधिकारी (डीएफओ) को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि जंगल और वन्य प्राणियों की सुरक्षा अब भगवान भरोसे छोड़ दी गई है। क्षेत्र में कई दिनों से बाघ की हलचल देखी जा रही थी, इसके बावजूद वन विभाग ने न तो गश्त बढ़ाई और न ही कोई सतर्कता बरती। परिणामस्वरूप शिकारियों ने बाघ को करंट लगाकर मौत के घाट उतार दिया। बताया गया कि रेवटी बीट में बाघ की हत्या के चार दिन बाद शव बरामद किया गया, जो विभागीय लापरवाही को और भी उजागर करता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रेवटी बीट के जिम्मेदार वन अधिकारी जयनारायण मेहता और सुनील केरकेट्टा अपने बीट में नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहते। वे कभी अंबिकापुर तो कभी अपने घर से ही आना-जाना करते हैं, और 15-20 दिन में एक बार कार्यालय आना भी बड़ी बात मानी जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी लचर व्यवस्था के कारण पहले भी कई वन्य जीवों और पक्षियों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक मात्र एक बीट गार्ड को निलंबित कर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि इतने बड़े मामले में अन्य जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए थी। ज्ञापन सौंपने वालों में ग्राम पंचायत रेवटी के सरपंच विष्णु सिंह, पंच वार्ड क्रमांक-6 शुभम गुप्ता, पूर्व मंडल महामंत्री अवधेश गुप्ता, वार्ड क्रमांक-5 राजपाल अगरिया, नीतीश पटेल, अनिल विश्वकर्मा, सीताराम पटेल, हिमालय पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पति मारपीट कर पत्नी को जलता हुआ पुआल की ढेर में फेंका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम खैरबार में मुर्गा बनाने की बात को लेकर हुए विवाद ने युवक ने पत्नी को मारपीट कर जलता हुआ पुआल में फेंक दिया। इससे महिला गंभीर रूप से झूलस गई। घटना 2 दिसंबर की रात की है। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डिस्चार्ज होने के बाद महिला ने पति के खिलाफ मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार राजमनी खैरबार की रहने वाली है। 2 दिसंबर की रात करीब 9 बजे राजमनी का पति गुलाब मुर्गा लेकर घर आया। पत्नी बोली मुर्गा घर में ही बनाते हैं और परिवार के सभी लोग खाएंगे। जबकि उसके पति का कहना था कि मुर्गा अपने दोस्तों के साथ बनाएंगे और खाएंगे। इस बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। पति ने पत्नी को मारपीट कर घर के बाहर ले गया और पहले से पुआल की ढेर में लगी आग में उठाकर फेंक दिया। महिला के चिल्लाने पर उसके जेठ का बेटा पहुंचा और उसे बाहर निकला। महिला गंभीर रूप से जल गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल से डिस्चार्ज होने पर महिला ने पति के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी पति गुलाब के खिलाफ धारा 115 (2), 296, 351 (3) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

चौकी बसदेई पुलिस ने चोरी के 2 टन कोयला सहित एक को पकड़ा

-संवाददाता-
सूरजपुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस अधिकारियों को चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर पैनी नजर रखने एवं सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 18.12.2025 को चौकी बसदेई पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम कुसमुसी खालपारा के मनोज साहू अपने घर में अवैध पत्थर कोयला चोरी का रखा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उसके घर से 2 टन पत्थर कोयला कीमत करीब 10 हजार रूपये का पाया गया जो चोरी का होने की पूर्ण अंदेशा पर जप्त मनोज साहू पिता प्रहलाद उम्र 29 वर्ष ग्राम कुसमुसी, चौकी बसदेई के विरूद्ध धारा 35(1-घ)/303(2) बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि उक्त कोयला भास्करपारा ओपन कास्ट माईन्स से कोयला चोरी कर बिक्री करने हेतु लेकर आना बताया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल व उनकी टीम सक्रिय रही।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षणार्थी कृतश मिश्रा से मुलाकात की...

कृतश सैनिक स्कूल अम्बिकापुर से चयनित होकर (राष्ट्रीय रक्षा अकादमी) खड़गवासला पुणे में बी-टेक की पढ़ाई कर रहे है...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
पुलिस अधीक्षक कार्यालय अंबिकापुर में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रथम वर्ष की पढ़ाई एवं प्रशिक्षण पूर्ण कर अम्बिकापुर आने पर कृतश मिश्रा से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री अमोलक सिंह ढिल्लो ने मुलाकात किया, जिन्होंने कृतश मिश्रा को बधाई, उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं एवं मार्गदर्शन दिए। कृतश पुलिस विभाग में ही प्रभारी साइबर सेल अंबिकापुर सहायक उप निरीक्षक श्री अजीत कुमार मिश्रा के पुत्र है जिन्होंने सैनिक स्कूल अम्बिकापुर से अपनी और हायर सेकंडरी की परीक्षा उत्तीर्ण की एवं राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की परीक्षा में चयनित होने के पश्चात (राष्ट्रीय रक्षा अकादमी) खड़गवासला पुणे प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण के साथ-साथ एम-टेक की पढ़ाई कर रहे हैं जहाँ तीन वर्ष पुर्ण होने पर हैदराबाद में आगे की पढ़ाई करेंगे।

रेलवे विभाग के मालगाड़ी से चावल चोरी मामले में चौकी बसदेई पुलिस ने 2 लोगों से 10 हजार रूपये का चावल किया जप्त

-संवाददाता-
सूरजपुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस अधिकारियों को चोरी नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए थे। दिनांक 18.12.2025 को चौकी बसदेई पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम झांसी का दमोदर राव एवं उंचडीह के दिनेश विश्वकर्मा दोनों अवैध रूप से रेलवे विभाग के मालगाड़ी से चावल चोरी कर बिक्री करने हेतु उंचडीह रेलवे फाटक के पास ग्राहक की तलाश कर रहे है। सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश देकर दमोदर राव पिता स्व. सुन्दर राव उम्र 28 वर्ष ग्राम झांसी एवं दिनेश विश्वकर्मा पिता सुरेन्द्र विश्वकर्मा उम्र 28 वर्ष निवासी उंचडीह को पकड़ा। पूछताछ पर दोनों ने बताया कि रेलवे विभाग के मालगाड़ी से चावल चोरी कर बिक्री करने हेतु लेकर आना बताया जिनके कब्जे से 4 क्विंटल चावल कीमत करीब 10 हजार रूपये का जप्त कर दोनों के विरूद्ध धारा 35(1-घ)/303(2) बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल व उनकी टीम सक्रिय रही।

अवैध धान पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई जारी

-संवाददाता-
सूरजपुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशन में जिले में अवैध धान के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रतापपुर द्वारा धान खरीदी केंद्र दवनकरा का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान एक किसान द्वारा 36 बोरी पुराना धान विक्रय हेतु लाया गया पाया गया।

नियमानुसार उक्त धान को मौके पर ही जप्त कर लिया गया तथा आगे की कार्रवाई हेतु संबंधित समिति को सुपुर्द किया गया। जिला प्रशासन द्वारा किसानों से कहा गया है शासन द्वारा धान खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए सारी सुविधाएं मुहैया कराई गई है साथ ही इस अवसर पर अपील की गई है कि वे केवल वैध एवं नियमानुसार ही धान का विक्रय करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

व्यापार समाचार

भारत-ओमान व्यापार समझौते पर होगा तीन महीने में अमल : उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर 2025। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को आशा व्यक्त की कि भारत और ओमान मुक्त व्यापार समझौता अगले तीन महीनों के भीतर लागू हो जाएगा। इससे भारत के श्रम-आधारित निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा तथा फार्मास्युटिकल उत्पाद के लिए के नियामक मंजूरियां भी जल्दी मिल सकेंगीं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देश पहले के व्यापार समझौते में हुई देरी से बचना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 2006 में हस्ताक्षरित हुए ओमान-अमेरिका व्यापार समझौता को लागू होने में लगभग तीन साल लग गए थे।

उस अनुभव से सीख लेते हुए भारत और ओमान ने इस समझौते को बहुत तेजी से लागू करने का फैसला किया है। गोयल ने यह भी कहा कि ओमान डेयरी एवं अमूल डेयरी के बीच एक संयुक्त उद्यम स्थापित करने को लेकर रुचि दिखाई गयी है। गोयल के अनुसार ओमान ने अपने 98 प्रतिशत से अधिक शुल्कीय मदों में शून्य-शुल्क की पेशकश की है,जो खाड़ी देश को भारत के 99.38 प्रतिशत निर्यात को कवर करती हैं। वर्तमान में,इन उत्पादों पर 5 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक के आयात शुल्क लगते हैं। वहीं भारत ने अपने सकल शुल्कीय मदों में से 77.79 प्रतिशत, या 12,556 उत्पाद श्रेणियों पर शुल्क छूट की पेशकश की है,जो कुल मिला कर ओमान से भारत के आयात का मूल्य रूप में 94.81 प्रतिशत हैं। ओमान में शून्य शुल्क प्रस्ताव से भारत से आयातित रत्न और आभूषण, वस्त्र,चमड़ा,जूते,खेल के सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर,कृषि उत्पाद,इंजीनियरिंग से संबंधित उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा उपकरण और ऑटोमोबाइल उत्पादों को लाभ होगा। गोयल ने कहा कि ओमान में भारतीय कंपनियों के लिए स्टील,ऊर्जा,शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में संभावनाएं हैं, विशेष रूप से संसाधन-सम्बंधित उद्योगों में। उन्होंने पाइपलाइन के क्षेत्र में एक बड़े हरित स्टील प्रोजेक्ट की ओर संकेत किया और ऊर्जा को ग्रीन हाइड्रोजन या ग्रीन अमोनिया में परिवर्तित करने में बढ़ती रुचि का भी ज़िक्र किया,जिसे निर्यात के लिए इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा कि ओमान के संप्रभु धन कोष और कंपनियों को भारत में निवेश की संभावनाओं का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया गया था गोयल ने बाद में 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि गुरुवार को मस्कट में हस्ताक्षरित हुए भारत-ओमान आर्थिक साझीदारी करार पर मीडिया को संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि किस तरह से भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझीदारी समझौता (सीईपीए) व्यापार के नए रास्ते खोलेगा, भारत के निर्यात को बढ़ावा देगा और प्रमुख सेक्टरों में व्यापार के लिए बेहतर अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण एफटीए किए हैं, जिससे विकसित भारत 2047 विज़न के तहत वैश्विक व्यापारिक साझीदारियां मजबूत हुई हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर 2025। घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का दौर जारी है। सोना शुक्रवार को 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी में भी शुक्रवार को 200 रुपये की मामूली उछाल दर्ज की गई है। कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना शुक्रवार को 1,34,850 रुपये से लेकर 1,35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना शुक्रवार को 1,23,610 रुपये से लेकर 1,23,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को 2,11,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में शुक्रवार को 24 कैरेट सोना 1,35,000 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,34,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना शुक्रवार को

1,34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,34,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना शुक्रवार को 1,35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,23,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,34,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी की मजबूत एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर 2025। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे अधिक स्कीम मैनेज करने का दावा करने वाली एसेट मैनेजमेंट कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 2,165 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। शुक्रवार को बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 2,606.20 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 2,600 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 2,663.40 रुपये के स्तर तक पहुंचा। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में थोड़ी गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 2,526.70 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 2,585.90 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 19.40 प्रतिशत से अधिक का मुनाफा हो गया। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी का 10,602.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 16 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 39.17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 123.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 22.04 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.53 गुना और शेयर होल्डर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत कोई नया शेयर नहीं जारी हुआ है, बल्कि ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 4,89,72,994 शेयरों की बिक्री हुई है। ऑफर फॉर सेल होने की वजह से आईपीओ का पैसा कंपनी को नहीं मिला है,बल्कि शेयर बेचने वाले शेयरहोल्डर प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन होल्डिंग्स लिमिटेड को मिला है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1,515.78 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था,जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2,049.73 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 2,650.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की कुल आय 32 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 4,979.67 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई।

मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 की अवधि में कंपनी को 1,617.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी को 2,949.61 करोड़ रुपये की कुल आय हासिल हो चुकी है। पहली छमाही के बाद यानी सितंबर 2025 के आखिरी में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस अकाउंट में 3,903.91 करोड़ रुपये पड़े हुए थे।

सेंसेक्स 447 अंक चढ़कर 84,929 पर बंद हुआ...निफ्टी भी 150 अंक चढ़ा, ऑटो, रियल्टी और हेल्थकेयर सेक्टर सबसे ज्यादा चढ़े

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर 2025। लगातार चार दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुआ। शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद पूरे दिन लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान होती रही, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी उतार चढ़ाव होता रहा। राहत की बात यही रही कि कारोबार के दौरान बिकवाली की तुलना में लिवाली का जोर हमेशा ही ज्यादा बन रहा, जिसके कारण ये दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.53 प्रतिशत और निफ्टी 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। शुक्रवार को दिन भर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। श्इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.25 प्रतिशत की तेजी के साथ शुक्रवार को कारोबार का अंत किया। शुक्रवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति

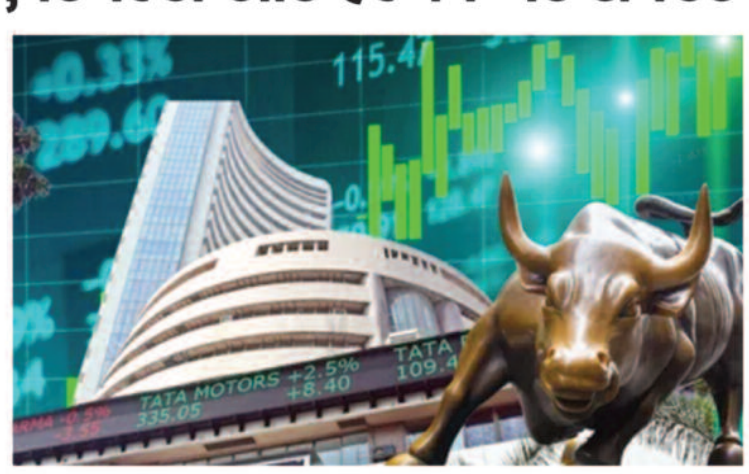

में करीब साढ़े पांच लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन शुक्रवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 471.21 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 465.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को शुक्रवार को कारोबार से करीब 5.42 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को 274.98 अंक की मजबूती के साथ 84,756.79 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि, पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही मुनाफा वसूली भी शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। पूरे दिन के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 11 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स 585.69 अंक उछल कर 85,067.50 अंक के स्तर तक पहुंच गया। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर बाद 84,734.96 अंक तक फिसल भी गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 447.55 अंक की बढ़त के साथ 84,929.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 177.80 अंक की तेजी के साथ 25,993.35 अंक तक पहुंचा, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक गिर कर 25,880.45 अंक तक आ गया। दिन भर के कारोबार के बाद निफ्टी 150.85 अंक की मजबूती के साथ 25,966.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

भाविश अग्रवाल ने ओला इलेक्ट्रिक के 324 करोड़ शेयर बेचे

लगातार तीन दिन में अपनी 2.2% हिस्सेदारी बेची, कंपनी का 260 करोड़ का लोन चुकाया

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर 2025। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के फाउंडर और प्रमोटर भाविश अग्रवाल ने 18 दिसंबर को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में कंपनी के शेयर बेचे। तीन दिनों में वे करीब 2.2% हिस्सेदारी बेच चुके हैं, जिसकी कुल वैल्यू 324 करोड़ रुपए से ज्यादा है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, भाविश अग्रवाल ने गुरुवार को ओला इलेक्ट्रिक के 2.83 करोड़ इक्विटी शेयर (कुल पेड-अप कैपिटल का 0.64%) 31.9 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर बेचे। वहीं

इस सौदे से उन्हें करीब 90.3 करोड़ रुपए मिले। इससे पहले बुधवार को 142.3 करोड़ और मंगलवार को 91.87 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए थे। इस रकम से भाविश ने कंपनी का 260 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाया है।

लोन चुकाने के बाद 10% चढ़ा शेयर : शुक्रवार, 19 दिसंबर को शुरुआती कारोबार में ओला इलेक्ट्रिक का शेयर करीब 10% उछलकर 34.40 रुपए पर बंद हुआ। यह तेजी तब आई, जब कंपनी ने एक्सचेंज को बताया कि फाउंडर भाविश अग्रवाल ने अपनी निजी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचकर लगभग 260 करोड़ रुपए का प्रमोटर-लेवल लोन पूरी तरह चुका दिया है। कंपनी के अनुसार, इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद प्रमोटर की ओर से गिरवी रखे गए सभी 3.93% शेयर रिलीज हो गए हैं और अब ओला इलेक्ट्रिक में प्रमोटर प्लेज शून्य हो गया है। बाजार में इसे एक बड़ा पॉजिटिव संकेत माना जा रहा है, क्योंकि प्रमोटर प्लेज को निवेशक जोखिम और अस्थिरता से जोड़कर देखते हैं।

बिक्री से लगातार दबाव में था शेयर : प्रमोटर की लगातार बिक्री के चलते ओला इलेक्ट्रिक का शेयर दबाव में रहा और 18 दिसंबर को 5% गिरकर 31.26 रुपए के ऑल-टाइम क्लोजिंग लो पर बंद हुआ था। शेयर अपने रिकॉर्ड हाई 157.4 रुपए (20 अगस्त) से करीब 80% टूट चुका था। गिरावट के बाद कंपनी का मार्केट कैप घटकर 13,797 करोड़ रुपए रह गया।

फर्जी प्रमाण-पत्र, शासकीय नौकरी और सिस्टम की चुप्पी

फर्जी दस्तावेजों से वन विभाग में नौकरी का आरोप...

- कोरिया वनमंडल बैकुंठपुर में पदस्थ कर्मचारी के खिलाफ जांच के निर्देश...
- अगर आरोप सही हैं, तो यह केवल एक व्यक्ति नहीं-पूरे तंत्र की विफलता है...

-न्यूज डेस्क-
कोरिया/अंबिकापुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कोरिया वनमंडल बैकुंठपुर अंतर्गत उपवन क्षेत्रपाल के पद पर कार्यरत शमीम शाह उर्फ आजम अली मोहम्मद के विरुद्ध फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शासकीय नौकरी प्राप्त करने का गंभीर मामला सामने आया है, इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, छत्तीसगढ़ के कार्यालय से औपचारिक पत्र जारी कर मुख्य वन संरक्षक, सरगुजा वृत्त (अंबिकापुर) को नियमानुसार जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में शासकीय नौकरी केवल रोजगार नहीं, विश्वास और संविधानिक जिम्मेदारी का विषय है, लेकिन जब सरकारी दस्तावेजों में यह सवाल उठे कि कोई कर्मचारी फर्जी शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों के सहारे विभाग में दाखिल हुआ, तो मामला केवल एक नौकरी तक सीमित नहीं रहता वह पूरे सिस्टम की साख पर चोट करता है, कोरिया वनमंडल बैकुंठपुर में पदस्थ शमीम शाह उर्फ आजम अली मोहम्मद को लेकर जो दस्तावेज सामने आए हैं, वे गंभीर सवाल खड़े करते हैं, आरोप है कि 1982 की पूर्व माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र में कूट रचना कर, अपने भाई के दस्तावेजों का उपयोग कर शासकीय सेवा प्राप्त की गई। यदि यह सही है, तो यह सीधा-सीधा धोखाधड़ी, जालसाजी और सरकारी तंत्र को गुमराह करने का मामला है।

यह एक व्यक्ति नहीं, नजीर बने मामला होना चाहिए : छत्तीसगढ़ में हजारों युवा योग्यता के बावजूद नौकरी से वंचित हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति फर्जी दस्तावेजों से सिस्टम में घुसा हो, तो यह ईमानदार अभ्यर्थियों के साथ सीधा अन्याय है, यह मामला अगर सही दिशा में निष्कर्ष तक पहुंचता है, तो यह केवल एक कर्मचारी की जांच नहीं, बल्कि पूरे नियुक्ति तंत्र की शुद्धि की शुरुआत बन सकता है।

अब निगाहें जांच पर : अब गेंद प्रशासन के पाले में है, जांच केवल औपचारिकता बनी, तो यह फाइल भी सैकड़ों अन्य फाइलों की तरह दफन हो जाएगी, लेकिन यदि निष्पक्ष कार्रवाई हुई, तो यह संदेश जाएगा कि शासकीय नौकरी अब फर्जी कागजों से नहीं, जवाबदेही से चलेगी।

अब कार्रवाई हुई, लेकिन क्यों इतने साल बाद?

चौंकाने वाली बात यह भी है कि शिकायत अब नहीं, बल्कि पहले भी अलग-अलग स्तरों पर की गई, जिला शिक्षा अधिकारी से लेकर वन विभाग के उच्च अधिकारियों तक पत्राचार के प्रमाण मौजूद हैं, फिर भी कार्रवाई तब शुरू होती है, जब मामला प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सतर्कता/शिकायत) के स्तर तक पहुंचता है, यह सवाल उठना लाजमी है क्या बिना सार्वजनिक दबाव के ऐसे मामलों में सिस्टम स्वतः हरकत में आता है? धाराएं लिखना काफी नहीं, अमल जरूरी है पत्र में जिन धाराओं 319, 323, 338, 339, 340 का उल्लेख है, वे मामूली नहीं हैं। ये धाराएं सीधे कूट रचना, छल और धोखाधड़ी से जुड़ी हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ का अनुभव बताता है कि अक्सर धाराएं लिख दी जाती हैं, पर कार्रवाई फाइलों में दम तोड़ देती है, अब जब 15 दिन में जांच रिपोर्ट मांगी गई है, तो असली परीक्षा यहीं से शुरू होती है, अगर आरोप सही निकले, तो क्या होगा? अगर जांच में यह सिद्ध होता है कि फर्जी दस्तावेजों से नौकरी ली गई और वर्षों तक उसी आधार पर वेतन व पद का लाभ लिया गया तो फिर सवाल उठेगा क्या सिर्फ विभागीय कार्रवाई होगी? या आपराधिक प्रकरण, सेवा से बर्खास्तगी और वसूली भी होगी? और सबसे अहम जिम्मेदार अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होगी, जिन्होंने सत्यापन किया?

सबसे बड़ा सवाल: सिस्टम सोता कैसे रहा?

यह प्रकरण केवल एक कर्मचारी तक सीमित नहीं है। असली सवाल यह है कि नियुक्ति के समय प्रमाण-पत्रों का सत्यापन किसने किया? सेवा के वर्षों में किस स्तर पर आंखें मूंदी गईं? क्या यह लापरवाही थी या संरक्षण का खेल? अगर 1982 के प्रमाण-पत्र में नाम, कटिंग और ओवरराइटिंग जैसी बातें दस्तावेजों में स्पष्ट दिखती हैं, तो फिर वर्षों तक यह व्यक्ति सेवा में कैसे बना रहा?

क्या है पूरा मामला

दस्तावेजों के अनुसार, आरोप है कि संबंधित कर्मचारी ने पूर्व माध्यमिक परीक्षा वर्ष 1982 के प्रमाण-पत्र में कूट रचना (कटिंग/ओवरराइटिंग) कर अपने भाई के शैक्षणिक दस्तावेजों का दुरुपयोग किया और उसी आधार पर वन विभाग में नौकरी प्राप्त की, शिकायत में कहा गया है कि वास्तविक अभ्यर्थी का नाम बदलकर दस्तावेजों में हेरफेर किया गया।

आईपीसी की गंभीर धाराओं का उल्लेख

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सतर्कता/शिकायत) कार्यालय द्वारा जारी पत्र में आरोपों को भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 319, 323, 338, 339, 340 के अंतर्गत दंडनीय अपराध की श्रेणी में माना गया है, पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाते हैं तो आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जा सकता है।

15 दिन में जांच रिपोर्ट अनिवार्य

जारी आदेश के अनुसार, मुख्य वन संरक्षक, सरगुजा वृत्त को निर्देशित किया गया है कि शिकायत में उल्लिखित सभी तथ्यों की नियमित विभागीय जांच कराई जाए, जांच के पश्चात स्पष्ट अभिमत सहित रिपोर्ट 15 दिनों के भीतर प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय को प्रस्तुत की जाए।

शिकायतकर्ता और पूर्व पत्राचार

मामले की शुरुआत अंबिकापुर नगर निगम पार्षद व वरिष्ठ भाजपा नेता अलोक दुबे द्वारा की गई शिकायत से हुई, जिसमें उन्होंने शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की सत्यता पर सवाल उठाए, इससे पूर्व भी इस विषय में जिला शिक्षा अधिकारी, अंबिकापुर द्वारा शैक्षणिक अभिलेखों की जांच से संबंधित पत्राचार और दस्तावेज संलग्न पाए गए हैं, जिनका उल्लेख फाइल में किया गया है।

अब सबकी निगाहें जांच पर...

यह मामला सामने आने के बाद वन विभाग में हलचल मची हुई है, अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं या नहीं, और यदि सही पाए जाते हैं तो विभागीय एवं आपराधिक स्तर पर क्या कार्रवाई होती है, यह समाचार दस्तावेजों में दर्ज शिकायत, पत्र और आदेशों पर आधारित है, संबंधित अधिकारी/कर्मचारी का पक्ष जांच पूर्ण होने तक लंबित है।

धान खरीदी में बड़ा गड़बड़झाला!

गिरदावरी में दर्ज रकबा सही, लेकिन सोसायटी टोकन में कम, किसानों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

-संवाददाता-
कोरिया, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति, पटना (पंजीयन क्रमांक 540) से जुड़े किसानों ने धान टोकन न कटने और रकबा कम दिए जाने की शिकायत को लेकर कलेक्टर कोरिया को लिखित आवेदन सौंपा है, किसानों का आरोप है कि गिरदावरी और फसल विवरण में सब कुछ सही होने के बावजूद सोसायटी स्तर पर जानबूझकर टोकन नहीं काटे जा रहे हैं, जिससे वे अपनी उपज बेचने से वंचित हो रहे हैं।

किसानों ने अपने आवेदन में बताया कि उन्होंने अपने खेतों में धान की खेती की है, फसल अच्छी हुई है और गिरदावरी में धान की फसल दर्ज भी है, बावजूद इसके, सोसायटी द्वारा जारी किए जाने वाले धान खरीदी टोकन में रकबा काफी कम दर्ज किया जा रहा है, कई मामलों में किसानों का कहना है कि जब वे टोकन कटवाने जाते हैं तो यह कहकर मना कर दिया जाता है कि 'धान खरीदी की लिमिट कम है', इसलिए टोकन नहीं काटा जा सकता।

किसानों को हो रही आर्थिक क्षति : टोकन न कटने के कारण किसान अपनी उपज को समर्थन मूल्य पर बेच नहीं पा रहे हैं। इससे उन्हें मजबूरी में निजी व्यापारियों के हाथों कम दाम पर धान बेचने की स्थिति बन रही है या फिर धान घरों में पड़ा खराब हो रहा है। किसानों का कहना है कि यह स्थिति सीधे तौर पर उनकी आर्थिक कमर तोड़ रही है।

कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग : आवेदन में किसानों ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि उनकी परेशानियों को गंभीरता से लेते हुए गिरदावरी के अनुसार धान विक्रय पंजीयन में सही रकबा दर्ज कराया जाए और धान विक्रय हेतु टोकन कटवाने की तत्काल अनुमति दी जाए, ताकि वे समय पर अपनी फसल बेच सकें, आवेदन दिनांक 19 दिसंबर 2025 को दिया गया है, जिस पर पटन समिति से जुड़े कई पंजीकृत किसानों के हस्ताक्षर हैं।

सवालों के घेरे में धान खरीदी व्यवस्था : यह मामला सामने आने के बाद एक बार फिर यह सवाल उठने लगे हैं कि, जब गिरदावरी में फसल दर्ज है तो टोकन क्यों नहीं? लिमिट का बहाना किसके इशारे पर? क्या किसानों को मजबूरन नुकसान उठाने दिया जा रहा है? अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है और क्या किसानों को समय रहते न्याय मिल पाता है या नहीं।

सूरजपुर में होगी कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की संभाग स्तरीय बैठक...

29 से 31 दिसंबर तक 'वर्क आफ्टर ब्रेक' थीम पर तीन दिवसीय हड़ताल, कार्यालयों में लटकेंगे ताले

29 से 31 दिसंबर तक प्रदेशव्यापी हड़ताल, सूरजपुर में होगी फेडरेशन की संभाग स्तरीय बैठक

- वर्क आफ्टर ब्रेक थीम पर आंदोलन, शासन को दी गई लिखित सूचना, 11 सूत्रीय मांगों पर अड़े कर्मचारी-अधिकारी
- मोदी की गारंटी पूरी करने की मांग, सरकार की अनदेखी से बढ़ा आक्रोश

-संवाददाता-
सूरजपुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के शासकीय कर्मचारी एवं अधिकारी आगामी 29 से 31 दिसंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे। इस निश्चितकालीन आंदोलन का ऐलान प्रदेश के सबसे बड़े संयुक्त संगठन कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन द्वारा किया गया है। हड़ताल को सफल बनाने के लिए पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसी क्रम में सरगुजा संभाग की संभाग स्तरीय बैठक 19 दिसंबर को सूरजपुर में आयोजित की जाएगी, जिसमें फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे, जिला संयोजक डॉ. आर.एस. सिंह ने बताया कि आंदोलन की तारीखों की लिखित सूचना शासन-प्रशासन को दे दी गई है और 29 से 31 दिसंबर तक कर्मचारी 'वर्क आफ्टर ब्रेक' की थीम पर पूर्ण हड़ताल पर रहेंगे।

16 जुलाई से चल रहा है चरणबद्ध आंदोलन

फेडरेशन अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 16 जुलाई 2025 से चरणबद्ध आंदोलन कर रही है, 16 जुलाई 2025 को जिला कलेक्टरों के माध्यम से मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा गया, 22 अगस्त 2025 को कलम बंद-काम बंद आंदोलन के तहत सामूहिक अवकाश लेकर जिला स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया गया, इसके बावजूद सरकार की ओर से मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होने से कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है।

फेडरेशन की प्रमुख 11 सूत्रीय मांगें...

- केंद्र के समान देय तिथि से प्रदेश के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत ।
- वर्ष 2019 से लंबित महंगाई भत्ता एरियर्स की राशि जीपीएफ खाते में समायोजित की जाए।
- लिपिक, शिक्षक, स्वास्थ्य, महिला-बाल विकास सहित विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियां दूर करने पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।
- चार स्तरीय पदोन्नत समयमान वेतनमान (8,16,24,32 वर्ष) लागू किया जाए।
- सहायक शिक्षक एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को त्रिस्तरीय समयमान, नगरीय निकाय कर्मचारियों को नियमित वेतन व पदोन्नति।
- अन्य भाजपा शासित राज्यों की तरह प्रदेश में कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू की जाए।
- अनुकंपा नियुक्ति निःशर्त लागू, 10% सीलिंग समाप्त कर सभी सीधी भर्ती पदों पर लागू किया जाए।
- मध्यप्रदेश की तर्ज पर अर्जित अवकाश नगदीकरण 300 दिवस किया जाए।
- प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए सभी सेवा लाभ, पंचायत सचिवों का शासकीयकरण।
- विभागीय सेटअप की कमी को देखते हुए सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष की जाए।
- कार्यभारित, दैनिक वेतनभोगी, अनियमित व संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जाए।

मोदी की गारंटी पूरी करने की मांग

जिला संयोजक महिला प्रकोष्ठ श्रीमती प्रतिमा सिंह ने बताया कि फेडरेशन द्वारा 'मोदी की गारंटी' के तहत किए गए वादों को पूरा करने की मांग लगातार उठाई जा रही है। शासन-प्रशासन से पत्राचार के बावजूद त्वरित कार्रवाई नहीं होने के कारण कर्मचारी-अधिकारी आक्रोशित हैं, फेडरेशन की प्रांतीय कोर कमेटी की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 29 से 31 दिसंबर तक तीन दिवसीय निश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा।

हड़ताल को लेकर संभाग स्तरीय बैठकों का दौर

जिला मीडिया प्रभारी राधेश्याम साहू एवं रमेश राजवाड़े ने बताया कि हड़ताल को सफल बनाने के लिए संभाग स्तर पर बैठकों का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है, इन बैठकों में फेडरेशन से संबद्ध सभी प्रांत अध्यक्ष/महामंत्री, संभागीय पदाधिकारी तथा जिला संयोजक/महासचिव शामिल होंगे।

कुणाल दुदावत ने कोरबा जिले के 19वें कलेक्टर के रूप में किया पदभार ग्रहण

-संवाददाता-
कोरबा, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कोरबा जिले के 19वें कलेक्टर के रूप में 2017 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी श्री कुणाल दुदावत ने आज औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के अवसर पर डीएफओ कटघोरा कुमार निशांत, डीएफओ कोरबा श्रीमती प्रेमलता यादव, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, एसडीएम सहित जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। नवपदस्थ कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत इससे पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के कोंडागांव एवं दंतेवाड़ा जिलों में कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वर्ष 2015 में उनका चयन भारतीय पुलिस सेवा के लिए हुआ, साथ ही भारतीय वन सेवा में भी उनका चयन हुआ था। आईपीएस प्रशिक्षण के दौरान ही उन्होंने यूपीएससी का तीसरा प्रयास दिया और 669वीं रैंक के साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए। श्री कुणाल दुदावत ने 11 दिसंबर 2017 को आईएएस सेवा जॉइन की। उनकी फील्ड ट्रेनिंग बिलासपुर जिले में सहायक कलेक्टर के रूप में हुई।

कोरबा में लोनर हाथी की दस्तक, थर्मल ड्रोन से निगरानी : डीएफओ प्रेमलता यादव

-संवाददाता-
कोरबा, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कोरबा डिवीजन में एक लोनर हाथी के प्रवेश से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। डीएफओ प्रेमलता यादव ने मीडिया से बातचीत में बताया कि हाथी की गतिविधियों को लेकर वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। कटघोरा डिवीजन में हाथी के हमले से दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि शुक्रवार सुबह बालको क्षेत्र में भी एक व्यक्ति की जान चली गई। डीएफओ के अनुसार लोनर हाथी की थर्मल ड्रोन कैमरे से लगातार ट्रैकिंग की जा रही है। बालको बीट में हाथी की मौजूदगी हुई है, वहीं कुदमुरा, करतला और पसर खेत क्षेत्र में करीब 15 हाथी सक्रिय हैं। इन सभी पर ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी जा रही है। ग्रामीणों को मुन्नादी के माध्यम से लगातार सचेत किया जा रहा है कि हाथी का मूवमेंट कभी भी किसी भी दिशा में हो सकता है इसलिए विशेष सतर्कता बरतें। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बालको रेंज के अजगर बहार बैरियर और बालको बैरियर को पर्यटकों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। वन विभाग द्वारा स्पष्ट चेतावनी जारी की है कि बिना विभागीय अनुमति और सूचना के कोई भी व्यक्ति इन क्षेत्रों में प्रवेश न करे। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि जंगल से लगे इलाकों में अनावश्यक आवाजाही न करें, रात के समय अकेले बाहर न निकलें और किसी भी स्थिति में हाथी दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें। प्रशासन और वन अमला लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, वृत्त–अम्बिकापुर

प्रथम निविदा आमंत्रण
विज्ञापन क्रः–154

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, वृत्त अम्बिकापुर अंतर्गत अटल विहार योजना जगदीशपुर अम्बिकापुर अंतर्गत 65 ई.डब्ल्यू.एस. भवनों के निर्माण कार्य हेतु निविदा दिनांक 08.01.2026 तक एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाईट www.cghb.gov.in एवं http://eproc.cgstate.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग–अम्बिकापुर के मो.नं. 9424209101 पर संपर्क करें।

उपायुक्त

जी-नंबर: 46292/3

कार्यालय नगर पालिक निगम
अम्बिकापुर जिला - सरगुजा (छ.ग.)

छ.ग. नगर पालिका (कालोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बंधन तथा शर्तें) नियम 2013 के नियम 11 (1) तहत

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स ई-स्टेट बिल्डकॉन पार्टनर श्री सुनील कुमार सिन्हा पंजीकृत कॉलोनाईजर जिनका रजिस्ट्रीकरण क्र. 25 है, के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी, तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं. 13/2, 15/1 एवं 16 रकबा 0.101, 0.086 एवं 0.134 हे. कुल 0.321 हे. पर आवासीय प्रयोजन हेतु (भूखण्डीय विकास) कॉलोनी के निर्माण हेतु अनुमति इस कार्यालय द्वारा जारी की जा रही है। कॉलोनाईजर के द्वारा छ.ग. नगर पालिक निगम तथा नगर पालिका (कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बंधन तथा शर्तें) नियम 2013 के नियम 11 (1) के तहत् स्वीकृत अभिन्यास अनुसार उक्त भूखण्ड के कुल संख्या के 12 प्रतिशत के बराबर भूखण्ड नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर के पक्ष में आंतरिक विकास कार्य होने तक नियम 11 के उप-नियम 1 के अंतर्गत कॉलोनी के आंतरिक विकास कार्य के सुरक्षा निधि के रूप में बंधक रखे गये है। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

बंधक भूखण्ड का विवरण		
भूखंड क्र.	विवरण	कुल नग
13/2, 15/1 एवं 16	अनुमोदित अभिन्यास का भूखण्ड क्र. D-01, D-02	2 नग

उपरोक्त नियम के तहत् नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर द्वारा आंतरिक विकास पूर्णता प्रमाण पत्र जारी नही हो जाते हैं, तब तक इन बंधक भूखण्ड का क्रय-विक्रय प्रतिबंधित रहेगा।

दिनांक - 19/12/2025

आयुक्त
नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर

देव कुमार गुप्ता बने भाजयुमो जिलाध्यक्ष प्रथम आगमन पर सूरजपुर में ऐतिहासिक स्वागत

सैकड़ों युवाओं की रैली,आतिशबाजी और नारों से गूंजा सूरजपुर

- तारा बॉर्डर से माता कर्मा चौक तक निकली जोशीली स्वागत रैली...
- भाजयुमो सूरजपुर को मिला नया नेतृत्व,देव कुमार गुप्ता की ताजपोशी पर दिखा युवा जोश
- युवा नेतृत्व की कमान देव कुमार गुप्ता के हाथ, सूरजपुर में भाजयुमो को नई ऊर्जा
- संगठन से संघर्ष तक का सफरःदेव कुमार गुप्ता बने भाजयुमो जिलाध्यक्ष
- फूल-मालाओं और नारों के बीच देव कुमार गुप्ता का प्रथम आगमन, सूरजपुर बना उत्सव स्थल

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर, 19 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी के युवा संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने देव कुमार गुप्ता को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), जिला सूरजपुर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति की घोषणा के साथ ही जिलेभर के युवा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। नगर के विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर खुशियां मनाईं, मिठाई बांटी और एक-दूसरे को बधाइयाँ दीं। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष बनने के बाद देव कुमार गुप्ता के रायपुर से प्रथम बार सूरजपुर आगमन को लेकर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने इसे उत्सव के रूप में मनाया, तारा बॉर्डर में सैकड़ों की संख्या में एकत्र युवा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं, नारों और आतिशबाजी के साथ उनका ऐतिहासिक और आतिशी स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था, इस अवसर पर भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश साहू (छोटू) एवं नव-नियुक्त जिला महामंत्री रूपेंद्र कुशवाहा का भी जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्रेमनगर, रामानुजनगर, सूरजपुर सहित जिले के विभिन्न मंडलों से बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता शामिल हुए।

भव्य रैली,गूंजे 'युवा मोर्चा जिंदाबाद' के नारे

स्वागत के पश्चात तारा से प्रेमनगर, श्रीनगर होते हुए सूरजपुर तक भव्य रैली निकाली गई, जो देव कुमार गुप्ता के निवास तक पहुँची, यहाँ तिलक, पुष्पवर्षा और आतिशबाजी के साथ भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया गया, रैली के दौरान पूरे मार्ग में 'युवा मोर्चा जिंदाबाद' और 'भाजपा जिंदाबाद' के नारों से वातावरण गूंज उठा, रैली का समापन माता कर्मा चौक, सूरजपुर में किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए।

हर कार्यकर्ता को मिलेगा सम्मान : देव कुमार गुप्ता

माता कर्मा चौक में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए नवनियुक्त जिलाध्यक्ष देव कुमार गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया, उन्होंने कहा कि सूरजपुर में भाजयुमो अपनी अलग, सशक्त और प्रभावी पहचान बनाएगा, उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन में हर कार्यकर्ता को सम्मान मिलेगा और सभी को साथ लेकर पार्टी की नीतियों व विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा, साथ ही जिले के प्रत्येक मंडल और बूथ स्तर तक युवाओं को जोड़कर संगठन को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने को तैयार भाजयुमो

देव कुमार गुप्ता की नियुक्ति और उनके प्रथम आगमन पर हुए भव्य स्वागत से यह स्पष्ट हो गया है कि भाजयुमो सूरजपुर आने वाले समय में नई ऊर्जा, अनुशासन और संगठनात्मक मजबूती के साथ कार्य करेगा, भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने उनके नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

लंबा संगठनात्मक अनुभव

- देव कुमार गुप्ता लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं।
- वर्ष 2012 से 2016 तक - भाजयुमो सूरजपुर शहर मंडल में प्रचार-प्रसार मंत्री
- वर्ष 2016 से 2020 तक - सूरजपुर शहर मंडल अध्यक्ष
- वर्ष 2020 से 2025 तक - भाजयुमो जिला मंत्री

इन दायित्वों के दौरान उन्होंने संगठन विस्तार, युवाओं को जोड़ने और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सोनहत क्षेत्र में कड़ाके की ठंड,रात में शीतलहर का कहर

उत्तरी हवाओं से बढ़ी हाड़ कंपाने वाली ठंड,कई इलाकों में पड़ रहा पाला

-राजन पाण्डेय-

सोनहत, 19 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। सोनहत क्षेत्र में इन दिनों ठंड ने अपना तीखा असर दिखाना शुरू कर दिया है, बादलों के छंटने और उत्तर-पश्चिम दिशा से चल रही ठंडी हवाओं के कारण क्षेत्र का तापमान तेजी से गिर गया है,रात के समय शीतलहर की स्थिति बन गई है,वहीं सुबह और शाम के समय हाड़ कंपाने वाली ठंड लोगों को घरों में दुबकने को मजबूर कर रही है।

पिछले कुछ दिनों से मौसम साफ रहने के कारण ठंड और तेज हो गई है, दिन में भी लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आ रहे हैं, सुबह के समय प्रातः भ्रमण करने वालों की संख्या में स्पष्ट कमी आई है,ग्रामीण क्षेत्रों में तो शाम ढलते ही शीतलहर जैसा अहसास होने लगता है, हालात ऐसे हैं कि दिन के समय भी शरीर से गर्म कपड़े उतारना मुश्किल हो गया है,शाम के बाद घर से बाहर निकलना लोगों के लिए चुनौती बन गया है। हाल ही में हुई छिटपुट बारिश के बाद साफ हुए आसमान ने तापमान को और गिरा दिया है,कड़ाके की ठंड का सबसे ज्यादा असर

उन लोगों पर पड़ रहा है, जिन्हें रात में सफर करना पड़ता है,कई यात्रियों ने ठंड के कारण अपने सफर तक निरस्त कर दिए हैं,बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह ठंड विशेष रूप से परेशानी का कारण बन रही है, गलियों और मोहल्लों में बुजुर्ग लोग धूप सेकते दिखाई दे रहे हैं,वहीं दिन में भी लोग अलाव का सहारा लेने को मजबूर हैं। देर शाम लोग घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद कर घर के अंदर रहना ज्यादा सुरक्षित समझ रहे हैं, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थलों में भी ठंड का असर साफ नजर आ रहा है, कुल मिलाकर ठंड ने जनजीवन को तेजी से प्रभावित किया है।

सोनहत-रामगढ़ क्षेत्र में पड़ रहा पाला : सोनहत क्षेत्र में ठंड का असर अब पाले के रूप में भी दिखने लगा है, सुबह के समय खेतों में धान के पैरा (परावट) पर पाला जमने से पूरा क्षेत्र सफेद नजर आने लगा है। जमीन पर उगी घास-फूस पर भी पाले की परत देखी जा रही है,वहीं बालमगढ़ी पहाड़ पर कड़ाके की ठंड के चलते घना कोहरा जमा हुआ नजर आ रहा है, जो इस क्षेत्र की ठंड की तीव्रता को दर्शाता है।

ब्लॉक मुख्यालय सोनहत में अलाव व्यवस्था की मांग

कड़ाके की ठंड के बीच सोनहत क्षेत्र में अलाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है, ग्राम पंचायत स्तर पर अभी तक अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है, स्थानीय लोगों द्वारा नया व पुराना बस स्टैंड, मजार चौक, हनुमान मंदिर के पास सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने की मांग की जा रही है, स्थिति यह है कि लोग अपने घरों में ही अलाव जलाकर ठंड से बचाव कर रहे हैं, वहीं सोनहत क्षेत्र के उपर पारा, नीचे पारा और खुटरा पारा के ग्रामीणों ने पंचायत से सार्वजनिक स्थानों पर शीघ्र अलाव की व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि आमजन को कड़ाके की ठंड से राहत मिल सके।

किसानों की मांग पर बढ़ी धान खरीदी केंद्रों की लिमिट

विधायक मरावी और भाजपा जिला अध्यक्ष सोनी की संयुक्त पहल लाई रंग

-संवाददाता-

सूरजपुर, 19 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में धान खरीदी की लिमिट नहीं बढ़ने से किसान लंबे समय से परेशान थे, लिमिट कम होने के कारण किसान समय पर अपना धान नहीं बेच पा रहे थे, जिससे खरीदी केंद्रों में अव्यवस्था और किसानों में असंतोष की स्थिति बनी हुई थी, किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने लगातार धान खरीदी केंद्रों का दौरा कर किसानों से सीधा संवाद किया, इसके साथ ही उन्होंने विधानसभा सत्र के दौरान विभागीय मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री से मुलाकात कर धान खरीदी केंद्रों की लिमिट बढ़ाने की मांग मजबूती से रखी, विधायक मरावी की पहल पर प्रभारी मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर को धान खरीदी केंद्रों की लिमिट तत्काल बढ़ाने के निर्देश दिए,

विधायक ने जिला प्रशासन से निरंतर संपर्क बनाए रखते हुए किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा। इधर, भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने भी किसानों की परेशानी को लेकर जिला कलेक्टर एवं प्रभारी मंत्री से मोबाइल के माध्यम से संपर्क कर लिमिट बढ़ाने का आग्रह किया, जनप्रतिनिधियों के इन संयुक्त प्रयासों के बाद प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित धान खरीदी केंद्रों की लिमिट बढ़ा दी, लिमिट बढ़ने के बाद धान खरीदी की प्रक्रिया में तेजी आई है और अब किसान बिना किसी बाधा के अपना धान विक्रय कर पा रहे हैं। व्यवस्था में सुधार से जिले के किसानों में संतोष का माहौल है। किसानों ने विधायक भूलन सिंह मरावी और भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका से उनकी लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान संभव हो सका।

नदी किनारे जुआ खेलने के मामले चौकी बसदेई पुलिस ने 2 जुआड़ियों को पकड़ा,नगदी रकम सहित 4 मोटर सायकल किया जप्त

-संवाददाता-

सूरजपुर, 19 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस अवैध कार्यो के विरूद्ध सजगता से लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है। इसी क्रम में चौकी बसदेई पुलिस को दिनांक 18.12.2025 को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम गंगोटी शिवपुर नदी के किनारे कुछ व्यक्ति हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश देकर 2 जुआड़ी दिनेश साहू उम्र 25 वर्ष व रामचरण सिंह उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम गंगोटी को जुआ खेलते रंगे हाथों पकड़ा, कुछ जुआड़ी पुलिस की आहट पाते ही भाग निकले। पुलिस ने जुआड़ियों व जुआ फड से 11 सौ रूपये नगदी एवं मौके से 2 लाख 50 हजार रूपये कीमत के 4 मोटर सायकल जप्त किया है। मामले में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल व उनकी टीम सक्रिय रही।

आपका अधिकार अभियान के अंतर्गत विशेष शिविर आयोजित

डीफ खातों से 71.41 लाख रुपये का निपटान,खाता धारकों को मिली जमा राशि

-संवाददाता-

बलरामपुर, 19 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। भारत सरकार के निर्देशानुसार ''आपकी पूँजी आपका अधिकार'' अभियान के तहत जिला पंचायत के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री राजेन्द्र के मार्गदर्शन एवं जिला अग्रणी बैंक श्री अंकित शर्मा एवं जिला कोषालय अधिकारी डी.पी. सोनी के नेतृत्व में एक विशेष निपटान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिले के अंतर्गत निष्क्रिय बैंक खातों को फिर से सक्रिय कर खाताधारकों एवं नामिनों को उनकी जमा राशि दिलाई गई। शिविर में कुल 71 लाख 48 हजार रुपये की राशि का निपटान किया गया।

इस दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने शिविर में 2 नॉमिनी को प्रमाण पत्र दिया गया। जिसके अंतर्गत श्रीमती रतनी बाई को उनके पति के देहांत के बाद जानकारी के अभाव में उनका बैंक खाता डीफ में चला गया था। शाखा प्रबंधक के द्वारा रतनी बाई से संपर्क कर उनको 2 लाख 4 हजार 177 रुपये जमा राशि उपलब्ध कराई गई। इसी प्रकार श्रीमती सुदयाश्री एक्का जिनका खाता सेन्ट्रल बैंक खाता डीफ में चला गया था, जिसमें 1 लाख 58 हजार 892 रुपये जमा थी उन्हें प्रमाण पत्र देकर उक्त राशि उपलब्ध कराई गई। इस दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने आगामी शिविरों में सरकारी खातों के सक्रियता पर जोर दिया। अग्रणी बैंक अधिकारी श्री अंकित शर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा आगे भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे और सरकारी खातों को सक्रिय करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की संभागीय बैठक सम्पन्न 29 से 31 दिसंबर के हड़ताल की बनी रणनीति

-संवाददाता-

सूरजपुर, 19 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन सरगुजा संभाग की संभागीय बैठक शनिवार, दिनांक 13 दिसंबर 2025 को सूरजपुर जिले में जिला चिकित्सालय के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के कर्मचारियों से जुड़ी लंबित मांगों, विशेषकर विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान घोषित 'मोदी की गारंटी ' को लागू कराने को लेकर आगामी आंदोलन की रणनीति तय करना रहा। बैठक में विशिष्ट रूप से लिपिक संघ प्रांताध्यक्ष संजय सिंह, प्रदेश लिपिक संघ प्रांताध्यक्ष रोहित तिवारी, स्वास्थ्य एवं बहुउद्देशीय कर्मचारी संघ प्रांताध्यक्ष पंकज पांडेय, प्रधान पाठक संघ प्रांताध्यक्ष मनोज कुमार साहू, संचालनालय विभागाध्यक्ष कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष संतोष वर्मा, जिला संयोजक कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन डॉ आर एस सिंह, श्रीमती प्रतिमा सिंह, तथा कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के विभिन्न

विभागों एवं संगठनों के पदाधिकारी व कर्मचारी नेता उपस्थित रहे। बैठक में कर्मचारियों के हित में 11 सूत्रीय मांगों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान प्रदेश के कर्मचारियों से किए गए प्रमुख वादों को अब तक लागू नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों में व्यापक असंतोष व्याप्त है। इसी के चलते फेडरेशन द्वारा 29, 30 एवं 31 दिसंबर 2025 को प्रस्तावित तीन दिवसीय निश्चित कालीन काम बंद-कलम बंद हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया गया है।

CMYK

मैं सोशल मीडिया से ब्रेक....पिता के जाने से सदमे में हैं ईशा देओल,फैंस से की ये अपील

ईशा देओल ने हाल ही में अपने पिता के जाने के बाद अपना दुख फैंस के साथ शेयर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस से अपील की और कहा कि वे इस दुख से कभी नहीं ऊबर पाएंगी। धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने बताया है कि वह अभी भी अपने पिता को खोने के दुख से उबर रही हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने अपनी मां हेमा मालिनी के साथ अपने दिवंगत पिता के लिए एक प्रार्थना सभा रखी थी। आज, एक्ट्रेस ने अनाउंस किया कि वह सोशल मीडिया से ब्रेक लेने और अपने प्रोफेशनल कामों पर लौटने का प्लान बना रही हैं।अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ईशा ने लिखा, मैंने कुछ काम की कमिटमेंट्स काफी समय से रोक रखी थीं, जिन्हें मैं अब आने वाले दिनों में आप सभी के साथ पोस्ट और शेयर करूंगी। कृपया मुझे एक इंसान के तौर पर और सबसे जरूरी, एक बेटी के तौर पर समझें जो अभी भी अपने सबसे प्यारे पिता को खोने के दुख से गुजर रही है।

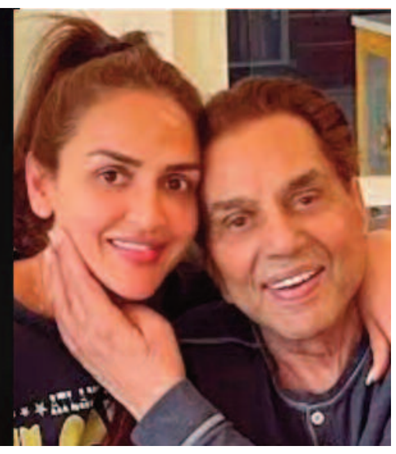

सोशल मीडिया से ब्रेक लेंगी ईशा?

लोगों से रिक्वेस्ट करते हुए उन्होंने आगे कहा, यह एक ऐसा नुकसान है जिससे मैं कभी उबर नहीं पाऊंगी। अगर चीजें मेरे हिसाब से होतीं तो मैं कुछ समय के लिए इस प्लेटफॉर्म से दूर रहना चाहती और ब्रेक लेना चाहती। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती। इसलिए प्लीज दयालु और समझने वाले बनें। हमेशा प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद...आप सभी से प्यार।
पिछले महीने धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी और बेटियों ने नई दिल्ली में उनकी याद में एक प्रार्थना सभा रखी थी। कई जाने-माने राजनेता और फिल्म इंडस्ट्री के लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एक साथ आए। 8 दिसंबर को अपने पिता के 90वें जन्मदिन पर उन्हें याद करते हुए, ईशा ने एक दिल छू लेने वाला ट्रिब्यूट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा,मैं आपको बहुत याद करती हूं पापा...आपकी वॉर्म, प्रोटेक्टिव गले लगने वाली बातें जो सबसे आरामदायक कंबल जैसी लगती थीं, आपके नरम लेकिन मजबूत हाथों को पकड़ना जिनमें अनकहे मैसेज होते थे और आपकी आवाज जो मेरा नाम पुकारती थी जिसके बाद अंतहीन बातचीत, हंसी और शायरी होती थी।हमारा मोटो है %हमेशा विनम्र रहो, खुश रहो, स्वस्थ और मजबूत रहो। मैं वादा करती हूं कि आपकी विरासत को गर्व और सम्मान के साथ आगे बढ़ाऊंगी, और मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगी कि आपका प्यार उन लाखों लोगों तक पहुंचाऊं जो आपसे मेरी तरह प्यार करते हैं। आई लव यू पापा।

धुरंधर ने बदली इन टीवी सितारों की किस्मत

कोई आईटम सॉन्ग करके मशहूर...तो किसी ने एक्टिंग से जीता दिल...

धुरंधर इस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई है। बड़े सितारों के साथ ही फिल्म में टीवी स्टार्स ने भी काफी चर्चा बटोरी। इन टीवी स्टार्स ने ऑडियंस को सरप्राइज तो दिया ही उनके काम को दर्शकों को खूब सराहा भी।
धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचा रही है। आदित्य धर के डायरेक्शन और रणवीर सिंह की लीड रोल वाली इस फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। रणवीर के साथ-साथ अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त जैसे सितारों ने भी अपनी दमदार एक्टिंग से फिल्म में जान डाल दी है। इनके अलावा टीवी के कई पॉपुलर एक्टर्स की मौजूदगी ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा है। जिन्होंने जबरदस्त परफॉर्मेंस दी है। धुरंधर में छह टीवी स्टार्स हैं जिन्होंने दर्शकों को सरप्राइज किया और कहानी में और भी गहराई लाई। आइए उन पर करीब से नजर डालते हैं।

सौम्या टंडन

रहमान डकैत की पत्नी उल्फत हसीन का रोल निभाने वाली सौम्या टंडन को सिटकॉम भाभीजी घर पर हैं में उनके रोल के लिए काफी सराहा गया है। पिछले कुछ सालों में उन्होंने डांस इंडिया डांस, बोर्नविटा क्विज कॉन्टेस्ट और एंटरटेनमेंट की रात जैसे कई पॉपुलर टेलीविजन शो भी होस्ट किए हैं। वह फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं, जिसमें 2007 की हिट जब वी मेट भी शामिल है, जिसमें करीना कपूर और शाहिद कपूर ने काम किया था। लेकिन धुरंधर से वे काफी सुर्खियां बटोर रही हैं।

क्रिस्टल डिसूजा जैस्मीन सैंडलस और मधुबंती बागची द्वारा गाए गए गाने शरारत में क्रिस्टल ने शानदार परफॉर्मेंस दी है। यह ट्रैक फिल्म में रणवीर सिंह की शादी के सीक्वेंस के दौरान बजता है।

क्रिस्टल को स्टार प्लस के शो एक हजारों में मेरी बहना है में जीविका चौधरी सिंह वढेरा की भूमिका के लिए जाना जाता है।

आयशा खान

बिग बॉस 17 फेम आयशा खान ने शरारत में क्रिस्टल के साथ स्क्रीन शेयर की और एक शानदार परफॉर्मेंस दी। हाल ही में वह कपिल शर्मा के शो किस किसको प्यार करूं 2 में भी नजर आईं।

मानव गोहिल

कहानी घर घर की और सी.आई.डी. से, अदालत, शादी मुबारक और तेनाली रामा तक, मानव कई बेहतरीन टीवी शो का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने नच बलिए 2 और फियर फैक्टर इंडिया जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया। धुरंधर में उन्होंने इंटेलिजेंस ब्यूरो के डिप्टी डायरेक्टर सुशांत बंसल का किरदार निभाया है।

राकेश बेदी

चाहे आप उनसे प्यार करें या नफरत करें धुरंधर के वरिष्ठ राजनेता जमील जमाली के रूप में राकेश बेदी को नजरअंदाज करना असंभव है। वह एक अनुभवी व्यक्ति हैं, जिनके पास टेलीविजन,फिल्म और थिएटर में 45 सालों से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने श्रीमान श्रीमती, यस बॉस,भाबीजी घर पर हैं और तारक मेहता का उल्टा चश्मा जैसे शो में काम किया है।

गौरव गेरा

90 के दशक के हर बच्चे को वह जस्सी जैसी कोई नहीं में नंदू के रूप में याद हैं। इस कॉमेडियन ने द ग्रेट इंडियन कॉमेडी शो और कॉमेडी नाइट्स विद कपिल में भी अपना टैलेंट दिखाया है। धुरंधर में गौरव मोहम्मद आलम के बिल्कुल नए अवतार में नजर आ रहे हैं, जो हमजा (रणवीर द्वारा निभाया गया किरदार) का हैंडलर है और लियारी में एक जूस की दुकान के मालिक के रूप में अंडरकवर काम करता है।
धुरंधर की बात करें तो यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसमें रणवीर सिंह के साथ आर माधवन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त जैसे कलाकारों ने काम किया है।

स्क्रिप्ट चुनने में हुई गलती...जब अक्षय खन्ना ने फिल्मों में अपनी असफलता को किया था स्वीकार,पिता बने सहारा

अक्षय खन्ना अपनी फिल्म धुरंधर और गाने एफए9एलए से काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। हालांकि, एक समय ऐसा भी था जब उन्हें फिल्में नहीं मिल रही थीं और उन्होंने गलत स्क्रिप्ट्स चुनी थीं। अक्षय ने बताया कि उन्होंने 15-16 साल की उम्र में ही अभिनेता बनने का फैसला कर लिया था, भले ही परिवार चाहता था कि वह पढ़ाई करें।
अक्षय खन्ना का पर्दे पर एक अलग ही जादू है। धुरंधर के बाद तो एक्टर की पॉपुलैरिटी है कि रुकने का नाम ही नहीं ले रही। स्ब्ड्ड9द्यड्ड गाने में पॉपुलर मूव्स के बाद तो एक्टर छा ही गए। एक तरफ जहां धुरंधर सिनेमाघरों में दहाड़ रही है, वही इस शोर-शराबे के बीच कई फैंस पुरानी यादों में चले गए हैं और उनके शुरुआती काम की गंभीरता और इंटरव्यूज को देख रहे हैं।

अक्षय खन्ना को नहीं मिल रही थी फिल्में

ऐसा ही एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें अक्षय खन्ना अपने पिता,विनोद खन्ना को पहली बार अभिनय के बारे में कैसे बताया था इस बारे में बात कर रहे हैं। यह रास्ता उन्हें बॉर्डर तक कैसे लाया इसमें वो झलक मिल रही है। अक्षय खन्ना जिन्हें इस समय अपने रहमत डकैत के किरदार के लिए खूब वाहवाही मिल रही है। एक समय में फिल्म पाने के लिए बहुत स्ट्रगल कर रहे थे।
उन्होंने कहा कि शुरुआत में उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा और गलत फिल्में चुनने का नतीजा भी भुगतना पड़ा। एक्टर ने कहा,सफलता शुरू में बहुत कम मिली मुझे। गलत फिल्में मैंने की, गलत स्क्रिप्ट्स मैंने चुनी। तो, गड़बड़ हुआ था। पर मैं कभी किसी की नकल करने की कोशिश नहीं करता।÷

छोटी सी उम्र में ही कर लिया था फैसला

धुरंधर एक्टर ने कहा कि उन्होंने एक्टर बनने का सपना उन्होंने परिवार के प्रोत्साहन के बिना बहुत कम उम्र में देख लिया था। उन्होंने कहा,मुझे किसी से कोई प्रोत्साहन नहीं मिला। वो चाहते थे कि मैं आगे जाके और भी पढ़ूं। लेकिन, मेरे ख्याल से मैं जब 15-16 साल का था तब से मैं फैसला कर चुका था... अगर मुझे कुछ करना है जिंदगी में, तो मैं यहीं कर सकता हूं। तो मैं यहीं करूंगा। और यहीं से मुझे खुशी मिलेगी और संतुष्टि मिलेगी।
अक्षय ने बताया कि एक बार जेपी दत्ता उनके घर खाने के लिए आए थे। उस समय वो बोर्डिंग स्कूल में पढ़ रहे थे। तभी जेपी ने उनको बॉर्डर 2 का ऑफर दिया था और अक्षय खन्ना ने इसे स्वीकार कर लिया था। तब विनोद खन्ना ने बेटे का मन जानने की कोशिश की कि क्या वो वाकई फिल्मों में काम करना चाहते हैं?

जेपी दत्ता ने दी थी फिल्म

इस पर एख्टर ने कहा,हां, देखते हैं। एक छोटा सा रोल है,मल्टी-स्टार कास्ट वाली फिल्म है, जे.पी. साहब ने पूछा तो मैंने बोला चलो मैं कोशिश करता हूं। तब विनोद खन्ना ने कहा कि चल मैं तेरे लिए एक फिल्म बनाता हूं। इसके बाद साल 1997 में अक्षय खन्ना ने हिमालय पुत्र से डेब्यू किया जिसे विनोद खन्ना ने प्रोड्यूस किया था। इसके बाद बॉर्डर आई। इस मूवी के लिए एक्टर को उस साल मोस्ट प्रॉमिसिंग न्यूकमर का अवॉर्ड मिला था।

खेल समाचार

चोटरानी,सूरज वेस्टर्न इंडिया स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

मुंबई,19 दिसम्बर 2025। 80 वें सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वैश में पुरुषों की कैटेगरी में टॉप चार सीड खिलाड़ियों का दबदबा जारी रहा,क्योंकि वे शुक्रवार को काफी आसानी से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। पुरुषों के टॉप सीड वीर चोत्रानी ने रौनक यादव को 11-7, 11-2, 11-5 से हराया। दूसरे सीड सूरज चंद को थोड़ा संघर्ष करना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया के कोर्ट पर हृधान शाह को 11-9, 11-9, 11-8 से हराया। चोत्रानी ने कहा, मुझे कोर्ट पर बहुत मज़ा आया। मैं आमतौर पर सुबह जल्दी नहीं खेलता, लेकिन यह बहुत मज़ेदार था। मैं आने वाली चुनौतियों का इंतज़ार कर रहा हूँ। दर्शकों को शानदार स्क्वैश देखने को मिला, जिसमें तेज़ मूवमेंट, टैक्टिकल समझ और प्रभावशाली लचीलापन था।

वीर अहलावत ने फाइनल राउंड में शानदार 4-अंडर 67 के स्कोर के साथ खिताब जीता

नवी मुंबई,19 दिसम्बर 2025। वीर अहलावत ने अपने पूरे अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 1 करोड़ रुपये का सीआईडीसीओ ओपन खिताब जीता। यह नवी मुंबई के खारघर वैली गोल्फ कोर्स) में शुक्रवार को खेला गया पहला प्रोफेशनल इवेंट था। गुरुग्राम के गोल्फर अहलावत (65-65-73-67), जो पहले तीन दिनों तक लीडरबोर्ड में टॉप पर थे,पहले दो राउंड में अकेले लीडर और तीसरे राउंड के बाद जॉइंट लीडर थे, उन्होंने दिन के पहले हाफ में उतार-चढ़ाव के बावजूद फाइनल राउंड में चार-अंडर 67 का शानदार प्रदर्शन किया और कुल 14-अंडर 270 के स्कोर के साथ तीन शॉट से जीत हासिल की। छह फुट चार इंच लंबे अहलावत,जो 2024 पीजीआईटी ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन हैं, ने 2025 का अपना दूसरा खिताब

और कुल छठी जीत हासिल की, जिससे उन्हें 15 लाख रुपये का विनिंग चेक मिला और वे 2025 पीजीआईटी रैंकिंग में 18वें से 11वें स्थान पर पहुंच गए। पुणे के रोहन ढोले पाटिल (70-69-64-70), जो वीर के साथ रात भर जॉइंट लीडर थे, ने आखिरी राउंड में 70 का स्कोर किया और कुल 11-अंडर 273 के साथ रनर-अप रहे और इस तरह पीजीआईटी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। रोहन को 10 लाख रुपये का चेक मिला जिससे वे पीजीआईटी रैंकिंग में 42वें से 32वें स्थान पर पहुंच गए।

भारत-पाकिस्तान मुकाबला रविवार को

टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में श्रीलंका को हराया;आरोन जॉर्ज-विहान मल्होत्रा की फिफ्टी

दुबई,19 दिसम्बर 2025। भारतीय टीम अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में श्रीलंका को 8 विकेट से हराया। अब रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल खेला जाएगा। सेमीफाइनल मुकाबला दुबई के आईसीसी एकेडमी ग्राउंड पर खेला गया। मैच बारिश के कारण समय पर शुरू नहीं हो सका। बाद में इसे 20-20 ओवर का कर दिया गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की टीम 8 विकेट पर 138 रन ही बना सकी। चमीका हीनतिगाला ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। भारत की ओर से कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल ने 2-2 विकेट झटके।
भारत ने 18 ओवर में दो विकेट खोकर 139 रन बनाकर मैच जीत लिया। विहान मल्होत्रा ने 45 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली। आरोन जॉर्ज ने 49 गेंदों पर 58 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से दोनों विकेट रसिथ नीमसरा ने लिए।

श्रीलंका की शुरुआत खराब रही

भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और श्रीलंकाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। ओपनर दुल्निथ सिगेरा 7 गेंदों पर सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। विरान चमुडिता 11 गेंदों पर 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे।कविजा गमागे केवल 2 रन बनाकर रन आउट हो गए। इस तरह 28 रन के भीतर श्रीलंका के 3 विकेट गिर गए। कप्तान विमत दिनसागे और चमिका हीनातिगले ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन दोनों के बीच कोई बड़ी साझेदारी नहीं हो सकी।
अंत में सेठमिका सेनवरत्ने ने 22 गेंदों पर 30 रन बनाकर स्कोर को 130 के पार पहुंचाया। भारत की ओर से कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल ने 2-2 विकेट लिए। किशन कुमार सिंह, दीपेश देवेंद्रन और खिलन पटेल को एक-एक सफलता मिली।

वैभव-आयुष फ्लॉप रहे

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जल्दी आउट हो गए। वैभव 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आयुष 7 रन ही जोड़ सके। इसके बाद आरोन जॉर्ज और विहान मल्होत्रा ने पारी को संभाला। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 87 गेंदों में 114 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। आरोन जॉर्ज ने 49 गेंद की अपनी पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया। विहान मल्होत्रा ने आक्रामक अंदाज में 45 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली और 4 चौके व 2 छक्के लगाए।

फाइनल में पाकिस्तान से मुकाबला

दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया। अब भारत-पाकिस्तान के बीच फाइनल होगा। यह टूर्नामेंट में दोनों टीमों का दूसरा मुकाबला होगा।भारत ने लीग स्टेज में पाकिस्तान को 90 रन से हराया था।

जैक-मैट की आंधी में उड़ी स्कॉर्चर्स

हाई स्कोरिंग मैच में ब्रिस्बेन की दमदार जीत

ब्रिस्बेन,19 दिसम्बर 2025। शुक्रवार को गाबा में खेले गए हाई स्कोरिंग मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। इस टीम ने विल्डरमुथ और मैट रेनेशॉ की शतकीय पारियों की मदद से बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025 के छठे मुकाबले में पर्थ स्कॉर्चर्स को 8 विकेट से रौंदा। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स ने 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 257 का विशाल स्कोर बनाया। इस टीम ने महज 8 के स्कोर पर मिचेल मार्श (3) का विकेट गंवा दिया था। यहां से कूपर कोनोली ने फिन एलन के साथ दूसरे विकेट के लिए 63 गेंदों में 142 रन की साझेदारी की।
कूपर 37 गेंदों में 6 छक्के और इतने ही चौकों की मदद से 77 रन बनाकर आउट हुए, जबकि एलन ने 38 गेंदों में 8 छक्कों और 3 चौकों के साथ 79 रन की पारी खेली। इनके अलावा, निक

हॉब्सन ने टीम के खाते में 26 रन जोड़े, जबकि आरोन हार्डी ने 23 रन का योगदान दिया। विपक्षी टीम के लिए जैवियर बार्टलेट ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, शाहीन अफरीदी, जैक विल्डरमुथ, लियाम हैस्केट और मैथ्यू कुहनेमैन ने 1-1 विकेट हासिल किया। विशाल स्कोर को देखते हुए फैंस मान बैठे थे कि स्कॉर्चर्स की जीत सुनिश्चित है, लेकिन जैक विल्डरमुथ और मैट रेनेशॉ ने स्कॉर्चर्स के इरादों पर पानी फेरते हुए ब्रिस्बेन को एक गेंद शेष रहते जीत दिलाई। इस टीम ने पहली गेंद पर ही कॉलिन मुनरो (0) का विकेट गंवा दिया था। यहां से जैक विल्डरमुथ ने मैट रेनेशॉ के साथ 93 गेंदों में 211 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की दहलीज तक ला दिया। मैट रेनेशॉ 51 गेंदों में 102 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 9 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। इसके बाद जैक विल्डरमुथ ने मैक्स ब्रायंट के साथ तीसरे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। मैक्स 28 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए, जबकि जैक ने 54 गेंदों में 9 छक्कों और 5 चौकों के साथ 110 रन की नाबाद पारी खेली। इस मुकाबले के साथ ब्रिस्बेन हीट (258/2) पुरुष बिग बैश लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाली दूसरी टीम बन गई है, जबकि स्कॉर्चर्स (257/6) का नाम इस लिस्ट में तीसरे पायदान पर है। यहां शीर्ष पर मेलबर्न स्टार्स है, जिसने 19 जनवरी 2022 को होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ 2 विकेट खोकर 273 रन बनाए थे।

अडानी स्पोर्ट्सलाइन ने अहमदाबाद में हूपर्स लीग के तीसरे एडिशन की घोषणा की

अहमदाबाद,19 दिसम्बर 2025। अडानी स्पोर्ट्सलाइन ने शुक्रवार को 3×3 हूपर्स लीग के तीसरे एडिशन की घोषणा की,जो 20 और 21 दिसंबर को होने वाला है। इसके साथ ही कंपनी ने स्ट्रक्चर्ड और कॉम्पिटिटिव प्लेटफॉर्म के ज़रिए ग्रासरूट बास्केटबॉल इकोसिस्टम को मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। आने वाले एडिशन में लड़के और लड़कियों दोनों के लिए अंडर-12, अंडर-15, अंडर-18 और अंडर-23 कैटेगरी होंगी, साथ ही पुरुषों और महिलाओं के लिए ओपन कैटेगरी भी होंगी, जिससे सभी उम्र के ग्रुप और अनुभव लेवल के लोगों को हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। टूर्नामेंट के लिए रजिस्ट्रेशन 17 दिसंबर को बंद हो गए। सभी मैच फेडरेशन के नियमों के अनुसार आयोजित किए जाएंगे, और टूर्नामेंट को गुजरात बास्केटबॉल फेडरेशन से मंजूरी मिल गई है, जिससे मान्यता प्राप्त कॉम्पिटिटिव स्टैंडर्ड और फेयर प्ले का पालन सुनिश्चित होता है।

CMYK

शराब घोटाला केस...14 दिन की ईडी रिमांड पर सौम्या

चौरसिया को मिले 115 करोड़,सिंडिकेट ने कमाए 2500 करोड़

रायपुर,19 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल की डिप्टी सेक्रेटरी सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया है। पीएमएलए कोर्ट ने सौम्या चौरसिया को 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। एजेंसी का कहना है कि मामले में गहन पूछताछ जरूरी है, क्योंकि सौम्या से पूछताछ के दौरान कई अहम तथ्य सामने आए हैं। वहीं ईडी ने पप्पू बंसल उर्फ लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, तांत्रिक केके श्रीवास्तव और कारोबारी अनवर ढेबर के होटल मैनेजर दीपेन चावड़ा के बयान के आधार पर सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया है। ईडी को सौम्या, रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा और अनवर ढेबर-चैतन्य बघेल के बीच हुई चैट्स में कई अहम सबूत भी मिले हैं।

ईडी के मुताबिक ACB/EOW ने IPC, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर दर्ज की है। इसी आधार पर जांच शुरू की। जांच में पता चला है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के खजाने को बड़ा नुकसान हुआ। 2500 करोड़ रुपए से ज्यादा की अवैध कमाई हुई। ईडी की जांच में पता चला कि सौम्या चौरसिया को लगभग 115.5 करोड़ रुपए की POC मिली थी। इसके अलावा, डिजिटल रिकॉर्ड, जब्त सामग्री और लिखित बयानों के रूप में इकट्ठा किए गए। सबूतों से यह साबित होता है कि सौम्या चौरसिया शराब सिंडिकेट की एक सक्रिय मेंबर थीं। एजेंसी के मुताबिक डिजिटल सबूत अनिल टुटेजा और चैतन्य बघेल सहित सिंडिकेट के प्रमुख सदस्यों के बीच केंद्रीय समन्वयकर्ता और मध्यस्थ के रूप में उनकी भूमिका की पुष्टि करते हैं, जिससे अवैध धन के उत्पादन और लॉन्ड्रिंग में सुविधा हुई। बरामद चैट से सिंडिकेट के शुरुआती संगठन में उनकी संलिप्तता का पता चला। इसमें अरुण पति त्रिपाठी और निरंजन दास को आबकारी विभाग में महत्वपूर्ण पदों पर रखने में मदद करना शामिल है। इससे पहले, अनिल टुटेजा (पूर्व-आईएएस); अरविंद सिंह; त्रिलोक सिंह ढिल्लो, अनवर ढेबर, अरुण पति त्रिपाठी, कवासी लखमा, चैतन्य बघेल को ईडी ने इस मामले में गिरफ्तार किया था। आगे की जांच जारी है।

पूछताछ के लिए ईडी ने बुलाया था ऑफिस

बचाव पक्ष के वकील हर्षवर्धन परगनिया ने कहा कि, ईडी ने पूछताछ के लिए जोनल ऑफिस बुलाया था। अवैध तरीके से गिरफ्तार किया। बिना मजिस्ट्रेट जांच, डायरी वही पर कहानी और राशि बदल गई। कोर्ट ने 2 दिन की रिमांड पर भेजा है। शुक्रवार दोपहर 3:30 बजे कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं रायपुर कोर्ट में पेशी के दौरान पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने कहा था कि, 11 महीने में पहली बार पेशी में लाया गया। मेरी तबीयत ठीक नहीं रहती। बीपी, शुगर और हार्ट की बीमारी है। विधानसभा सत्र चल रहा है, लेकिन मैं मौजूद नहीं हूं। मैं इलाज के लिए बाहर ले जाने बोला था। प्रताड़ित हो रहा हूं। अब ऊपर वाला ही जाने।

ढाई साल जेल में रह चुकी है सौम्या

ईडी ने इससे पहले 2 दिसंबर 2022 को सौम्या चौरसिया को कोल लेवी घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया था। इस मामले में वे करीब ढाई साल जेल में रही और पिछले 6 महीने से वे सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर बाहर थीं। वही 6 महीने बाद ईडी ने शराब घोटाले में दूसरी बार गिरफ्तार किया है। बता दें कि सौम्या चौरसिया को कोयला घोटाले में ईडी और EOW (केंद्र व राज्य एजेंसियां) ने पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थीं। इसके अलावा, डीएमएफ घोटाले में भी ईओडब्ल्यू ने उन्हें गिरफ्तार किया था। 49 करोड़ रुपए से अधिक आय के मामले में भी ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई की। यानी सौम्या अब तक चार घोटालों में जेल जा चुकी हैं और 3200 करोड़ रुपए के शराब घोटाले में यह उनकी दूसरी गिरफ्तारी है।

रायपुर में बिल्डर के ठिकाने पर ईडी की रेड

जयकॉर्प के 30 ठिकानों पर दबिश,2,434 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग केस में जांच

रायपुर,19 दिसम्बर 2025। जय कॉर्प लिमिटेड के निदेशक आनंद जयकुमार जैन से जुड़े 2 हजार 434 करोड़ की धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देशभर में छापेमारी की है। इनमें रायपुर, मुंबई, नासिक और बेंगलुरु समेत 30 से अधिक ठिकाने शामिल हैं। जांच एजेंसी दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड की तलाशी ले रही है। जानकारी के मुताबिक रायपुर के एक बिल्डर के ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा है। 2 गाड़ियों में पहुंची ईडी की टीम में 5 अधिकारी और 5 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं, जो ऑफिस में जांच के साथ-साथ कर्मचारियों से पूछताछ कर रहे हैं। एजेंसी को शक है कि रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट के नाम पर जुटाया गया पैसा विदेशी कंपनियों को ट्रांसफर किया गया था। एजेंसी संदिग्ध ट्रांजेक्शन, ऑफशोर अकाउंट्स और शेल कंपनियों की कड़ियों को जोड़ने की कोशिश कर रही है। कई कंपनियों और बड़े कारोबारी समूह भी जांच के दायरे में आ सकते हैं।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, सीबीआई ने आनंद जयकुमार जैन, उनकी कंपनी जय कॉर्प लिमिटेड, कारोबारी पराग शांतिलाल पारेख और कई अन्य कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आनंद जैन मशहूर गेमिंग कंपनी ड्रीम11 के को-फाउंडर हर्ष जैन के पिता हैं, जिससे यह मामला और भी हाई-प्रोफाइल हो गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने इस केस में एफआईआर दर्ज की। जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया। इससे पहले मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा को दिसंबर 2021 और अप्रैल 2023 में इस मामले से जुड़ी शिकायतें मिली थीं। एफआईआर के अनुसार, मई 2006 से जून 2008 के बीच आनंद जैन और अन्य आरोपियों ने दो कंपनियां बनाईं। इन कंपनियों के जरिए मुंबई और अन्य शहरों में रियल एस्टेट डेवलपमेंट के नाम पर निवेशकों से करीब 2,434 करोड़ की राशि जुटाई गई। जांच में सामने आया है कि नवी मुंबई SEZ प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर बैंकों से 3,252 करोड़ का कर्ज लिया गया। इससे पहले मुंबई SEZ लिमिटेड के लिए भी बैंकों से ?686 करोड़ का लोन लिया जा चुका था। आरोप है कि इन कर्जों का इस्तेमाल घोषित उद्देश्यों के बजाय अन्य वित्तीय गतिविधियों में किया गया। सीबीआई का आरोप है कि आपराधिक साजिश के तहत निवेशकों और बैंकों का पैसा मॉरिशस और जर्सी में स्थित विदेशी कॉर्पोरेट कंपनियों में भेजा गया।

पॉक्सो मामलों के निपटारे में छत्तीसगढ़ टॉप पर

देश में 109% का औसत,छत्तीसगढ़ में 189%, 600 ई-पॉक्सो कोर्ट की जरूरत

रायपुर,19 दिसम्बर 2025। भारत ने बाल यौन शोषण के मामलों में न्याय दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। देश में पहली बार एक साल में दर्ज हुए पॉक्सो मामलों से अधिक केस का निपटारा हुआ है। सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज फॉर चिल्ड्रन की रिपोर्ट 'पेंडेंसी टू प्रोटेक्शन' के अनुसार साल 2025 में देशभर में पॉक्सो कानून के तहत 80,320 मामले दर्ज हुए, जबकि 87,754 मामलों का निपटारा हुआ।

इस तरह भारत की कुल निपटान दर 109 प्रतिशत रही। छत्तीसगढ़ ने इस दिशा में सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए देश में पहला स्थान हासिल किया है। राज्य में साल 2025 में पॉक्सो कानून के तहत 1,416 मामले दर्ज हुए, जबकि अदालतों ने 2,678 मामलों का निपटारा किया। यानी निपटान दर 189 प्रतिशत रही। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य की अदालतों ने न सिर्फ नए मामलों का तेजी से निपटारा किया बल्कि पुराने लंबित मामलों को भी बड़े पैमाने पर खत्म किया।

2023 में 2.62 लाख मामले थे लंबित

रिपोर्ट बताती है कि,देश में न्याय व्यवस्था अब 'लंबित मामलों को संभालने' से आगे बढ़कर उन्हें सक्रिय रूप से कम करने की दिशा में काम कर रही है। 2023 तक देश में पॉक्सो के 2.62 लाख मामले लंबित थे, लेकिन अब यह संख्या घटने लगी है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि मौजूदा रफ्तार कायम रही तो अगले चार वर्षों में लंबित मामलों को पूरी तरह समाप्त करने के लिए देशभर में 600 अतिरिक्त ई-पॉक्सो अदालतों की स्थापना जरूरी होगी। इसके लिए लगभग 1,977 करोड़ रुपए का प्रावधान सुलझाया गया है, जिसमें निर्भया फंड का उपयोग करने की सिफारिश की गई है।

कब्र से शव निकालने पर पथराव...एएसपी समेत 20 पुलिसकर्मी घायल,कई जान बचाकर भागे,गांव में धारा 144 लागू

कांकेर,19 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में धर्मांतरित व्यक्ति के शव को कब्र से निकालने के बाद बवाल मच गया है। तेवड़ा गांव में तीन दिन से मचे बवाल ने आगजनी की रूप ले लिया। इसके अलावा सरपंच के घर में भी तोड़फोड़ की। इस दौरान आदिवासी और ईसाई समाज के बीच हिंसक झड़प हुई। साथ ही पुलिस पर भी पत्थरबाजी की गई, जिसमें अंतागढ़ एडिशनल एसपी आशीष बंसोड़ समेत 20 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं भारी विरोध के बीच प्रशासन ने शव को कब्र से निकालकर बाहर भेज दिया है। फिलहाल, गांव में स्थिति नियंत्रण में है। दूसरी ओर आमाबेड़ा में स्थित चर्च को भी पुलिस ने घेरे में ले लिया है। कब्र से शव निकालने के बाद भी ग्रामीणों का गुस्सा शांत नहीं हुआ है और इलाके में तनाव बरकरार है। दरअसल, आमाबेड़ा क्षेत्र के में गांव बड़े तेवड़ा में मंगलवार (16 दिसंबर) को सरपंच राजमन सलाम के पिता चमरू राम सलाम (70) की मौत हो गई थी। शव को अपने घर के पास अपनी जमीन पर दफन कर दिया था। इससे आदिवासी आक्रोशित हो गए और वह मांग कर रहे थे कि अगर आदिवासी रीति रिवाज से दफन संस्कार नहीं करना चाहते हैं तो शव को कहीं और दफनाने की मांग की। रविवार से मामला गर्म ही रहा और आक्रोशित ग्रामीण शव निकालने की लगातार मांग करते रहे। मामले बुधवार को और गरमा गया, जब आदिवासी समाज के गांव के लोग खुद ही शव निकालने पहुंच गए। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोग सामने आ गए. इस कारण मारपीट हो गई थी और कुछ लोग घायल भी हो गए थे।

गांव में धारा 144 लागू, स्थिति तनावपूर्ण : ग्रामीणों का आरोप है कि हम लोग बात करने के लिए सरपंच के पास गए थे,लेकिन उसने भीम आर्मी के नाम से गुंडों को बुला रखा है,जिन्होंने ग्रामीणों पर हमला किया है। गुरुवार सुबह जब प्रशासन ने किसी तरह का कोई कदम नहीं उठाया तो भीड़ बेकाबू हो गई और तोड़फोड़ करने लगी.इस दौरान दो प्रार्थना स्थलों में तोड़फोड़ और आगजनी की गई। साथ ही साथ ग्रामीणों के साथ हुई झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल भी हुए। पुलिस ने फिलहाल गांव में धारा 144 लगा दी है।

धर्मांतरण पर राजनीति नहीं होनी चाहिए : डिप्टी सीएम विजय शर्मा

कांकेर में धर्मांतरण की घटना पर आक्रोश भड़का है। डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा का इस पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि कांकेर के देवड़ा गांव की घटना चिंतनीय है। पूरी घटना में अंतिम निर्णय होने की जरूरत है। पुलिस ने अच्छा काम किया, बहुत लोगों को बचाया। कांकेर में वर्तमान में सब ठीक है मगर समाज में आक्रोश है। नए धर्मांतरण बिल को लेकर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि धर्म स्वातंर्त्य अधिनियम के तहत बिल आना था। कुछ शुद्धिकरण के लिए बिल रुका है यह अगली बार आएगा। कांग्रेस के तंज पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि समाज में धर्मांतरण चिंता का विषय है, धर्मांतरण पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास को ईडी ने गिरफ्तार

रायपुर,19 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास को प्रोडक्शन रिमांड पर गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। इस दौरान पुलिस कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें जेल से कोर्ट लेकर पहुंची। सूत्रों के मुताबिक, ईडी अब निरंजन दास की कस्टोडियल रिमांड की मांग करेगी। एजेंसी का कहना है कि मामले में गहन पूछताछ जरूरी है, क्योंकि जांच के दौरान कई अहम तथ्य सामने आए हैं। ईडी को यह कार्रवाई पूर्व आईएएस अधिकारी सौम्या चौरसिया से पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर करनी है। एजेंसी के मुताबिक, सौम्या चौरसिया से पूछताछ में शराब घोटाले से जुड़े महत्वपूर्ण क्लू सामने आए हैं, जिनकी कड़ी निरंजन दास से जुड़ती बताई जा रही है। गौरतलब है कि निरंजन दास पहले से ही आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो की दर्ज शराब घोटाले की एफआईआर में न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। अब ईडी की एंट्री के बाद इस मामले में जांच का दायरा और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

छात्रों और शिक्षकों की अब ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य,स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

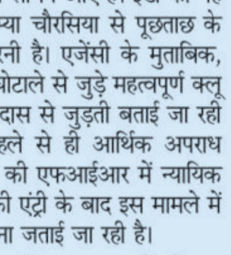

रायपुर,19 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में अब छात्रों और शिक्षकें की ऑनलाइन अटेंडेंस लगेगा। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। विभाग के अवर सचिव आरपी वर्मा ने सभी संभागीय संयुक्त संचालों और जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र भेज कहा है कि मोबाइल ऐप्प से ऑनलाइन हाजिरी की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लेटर में लिखा है कि छत्तीसगढ़ में अभी सात जिलों के स्कूलों में ऑनलाइन अटेंडेंस की व्यवस्था है। मगर सरकार ने अब बाकी सभी 26 जिलों में भी इसे लागू करने का फैसला किया है। विभाग द्वारा वर्तमान में इसे 7 जिलों में लागू किया है। इन जिलों में शिक्षक अपनी नियमित उपस्थिति एप्प में दर्ज कर रहे है। राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि अब इसे राज्य के शेष 26 जिलों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों हेतु लागू किया जाए। निर्देशानुसार अपने संभाग/जिलों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति 'विद्या समीक्षा केन्द्र' एप्प में इंद्राज करने की कार्यवाही सुनिश्चित किया जावे। इस संबंध में अवगत होना चाहेंगे कि भारत सरकार के निर्देशानुसार शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की प्रत्येक दिवस की उपस्थिति की जानकारी शिक्षा मंत्रालय के अधीन 'राष्ट्रीय विद्या समीक्षा केन्द्र' को प्रेषित की जाती है तथा नियमित समीक्षा की जाती है।

छत्तीसगढ़ में पीएम आवास योजना में बड़ा खेल,बिना जमीन वालों को बांटे करोड़ों रुपये

रायपुर,19 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ताजा ऑडिट रिपोर्ट ने सरकारी तंत्र की पारदर्शिता और कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में गरीबों के सिर पर छत देने के नाम पर न केवल नियमों की अनदेखी की गई, बल्कि सरकारी धन का जमकर बंदरबांट भी हुआ। इस खुलासे के बाद प्रदेश की राजनीति में उबाल आ गया है।

बिना जमीन के ही बांट दिए 4.5 करोड़

मार्च 2023 तक की अवधि के लिए जारी इस ऑडिट रिपोर्ट में अनियमितताओं की एक लंबी सूची है। सबसे हैरान करने वाला तथ्य यह है कि रायपुर, बिलासपुर और कोरबा जैसे क्षेत्रों में 250 ऐसे हितग्राहियों को आवास का पैसा दे दिया गया, जिनके पास घर बनाने के लिए खुद की जमीन तक उपलब्ध नहीं थी। प्रशासन ने बिना धरातल की जांच किए इन लोगों को लगभग 4.5 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया। यह लापरवाही दर्शाती है कि सत्यापन प्रक्रिया में कितनी बड़ी चूक हुई है।

रसूखदारों ने मारा गरीबों का हकः अपात्रों को मिला लाभ

जांच में पाया गया कि योजना का लाभ उन लोगों तक पहुँचा जो आर्थिक रूप से संपन्न थे। रिपोर्ट के मुताबिक,3 लाख रुपये से अधिक सालाना आय वाले 71 अपात्र लोगों को आवास आवंटित कर दिए गए। इतना ही नहीं,भ्रष्टाचार और चालाकी का आलम यह रहा कि 99 लोगों ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों की योजनाओं का दोहरा लाभ उठाया। इनमें से 35 लोग ऐसे थे जो पहले ही किसी अन्य सरकारी आवास योजना का फायदा ले चुके थे, फिर भी उन्हें दोबारा भुगतान किया गया।

नियमों की अनदेखी: महिला सशक्तिकरण के निर्देश दरकिनार : केंद्र सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं को प्राथमिकता दी जाए और आवास उनके नाम पर स्वीकृत हों। लेकिन छत्तीसगढ़ में इस नियम को भी ठेंगे पर रखा गया। CAG रिपोर्ट बताती है कि प्रदेश में केवल 50 फीसदी आवास ही महिलाओं के नाम पर स्वीकृत किए गए। यह केंद्र के दिशा-निर्देशों का सीधा उल्लंघन है और बताता है कि धरातल पर मॉनिटरिंग कितनी कमजोर रही है। रिपोर्ट सार्वजनिक होते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है।भाजपा का प्रहारः कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप और श्याम बिहारी जायसवाल ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकार ने गरीबों के हक पर डाका डाला है। भ्रष्टाचार के कारण ही असली जरूरतमंद योजना के लाभ से वंचित रह गए।

बीजापुर के घने जंगल में मुठभेड़,1 नक्सली मारा गया

भैरमगढ़-इन्द्रावती क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना में निकली थी टीम

बीजापुर,19 दिसम्बर 2025। बीजापुर जिले के इंद्रावती इलाके के घने जंगल-पहाड़ों में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई है, इसमें एक नक्सली मारा गया है। नक्सली फगनू माड़वी (35 साल) एसीएम भैरमगढ़ एरिया कमेटी का मेंबर था, उस पर 5 लाख का इनाम था। सुरक्षाबलों ने मौके से शव और 303 रायफल, 9एमएम पिस्टल सहित विस्फोटक सामग्री बरामद किया है। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार (19 दिसंबर) सुबह माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर जिला पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया था। सर्चिंग के दौरान डीआरजी जवानों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हुई। मुठभेड़ स्थल पर सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है और सघन तलाशी अभियान जारी है। मामला भैरमगढ़ थाना क्षेत्र का है। बस्तर रेंज के आईजी पी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने कहा कि साल 2025 में सुरक्षा बलों की प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप बस्तर में माओवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। उन्होंने कहा कि माओवादी संगठन की पूरी संरचना बिखर चुकी है और हिंसा या दहशत फैलाने के उनके किसी भी प्रयास का अब कोई असर नहीं रह गया है। आईजीपी ने सभी सक्रिय माओवादियों से हिंसा का मार्ग त्यागकर सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाने की अपील की।

सुकमा के डीएसपी पर चाकू से जानलेवा हमला आरोपी ने 3 घंटे तक डीएसपी को किडनैप कर रखा,गंभीर हालत में चल रहा इलाज...

दंतेवाड़ा,19 दिसम्बर 2025। दंतेवाड़ा में सुकमा के डीएसपी पर जानलेवा हमला किया गया है। इस हमले में डीएसपी तोमेश वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिनका इलाज जारी है। इस मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने करीब 3 घंटे तक डीएसपी को किडनैप कर रखा था। दंतेवाड़ा से इस वक्त की एक बड़ी खबर सामने आयी है। जहां सुकमा के एसडीओपी तोमेश वर्मा पर दंतेवाड़ा में अज्ञात युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। घटना दंतेवाड़ा शहर के टीवीएस शोरूम के पास की है। हमले में एसडीओपी तोमेश वर्मा घायल हो गये। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है।

दुकान संचालक पर टिकाया बंदूक और सोने की चेन लूटने की कोशिश,बिलासपुर में बड़ी वारदात...

बिलासपुर,19 दिसम्बर 2025। दिनदहाड़े बंदूक की नोक पर लूट की कोशिश की गई। बदमाशों ने दुकान संचालक को रोककर सोने की चेन लूटने की कोशिश की। शोर मचाने पर बदमाश फरार हो गए। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र के जबड़ापारा का है। जानकारी के मुताबिक, लखन लाल देवांगन (46) मिशन अस्पताल रोड स्थित लखीराम ऑडिटोरियम के सामने नीटी स्वीट्स नाम से दुकान संचालित करते हैं। आज सुबह वो स्कूटी से दुकान जा रहे थे, तभी जबड़ापारा इलाके में बाइक सवार तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि एक बदमाश ने दुकानदार पर बंदूक तान दी, जबकि दूसरे युवक के हाथ में भी बंदूक थी। तीसरे आरोपी ने सोने की चेन लूटने की कोशिश करते हुए गोली मारने की धमकी दी। दुकानदार घबरा गया, लेकिन उसने जोर-जोर से शोर मचाया और बदमाशों का विरोध किया। दुकानदार के शोर मचाने और आसपास लोगों के आने की आशंका से घबराकर आरोपी बिना लूट किए ही बाइक से मौके से फरार हो गए। उस समय सड़क पर आवाजाही कम थी, फिर भी शोर सुनकर कुछ लोग बाहर आए, लेकिन तब तक बदमाश भाग चुके थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)